RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः38 , रविवार, 22 मार्च 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

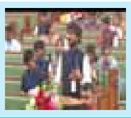

एलएनडी कॉलेज के छात्र हिमांशु कुमार ने बढ़ाया चंपारण का गौरव 03

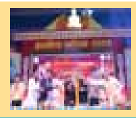

केसरिया महोत्सव 2026 का भव्य आगाज, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की ... 04

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होताः स्नेहलता वसईकर 07

संक्षिप्त समाचार

ईद पर भोपाल में अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे

- राजस्थान में लोगों ने काली पट्टी बांधकर अता की नमाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में शनिवार को ईद मनाई जा रही है। इस दौरान अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का असर दौराने को मिला है। शिया समुदाय के लोगों ने श्रीनगर, भोपाल, जयपुर, अजमेर, सीकर, बंगाल के मुर्शिदाबाद और यूपी के संभल में नमाज के दौरान लोग

काली पट्टी बांधकर पहुंचे। भोपाल के इमामबाड़ा में अयातुल्लाह अली खामेनेई की तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि दी गई। तकरीर में मौलाना राजी उल हसन ने जुल्म के खिलाफ खड़े होने की बात कही। शिया समुदाय ने फतेहगढ़ इमामबाड़ा में काली ईद मनाई। नमाज के बाद अमेरिका और इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगे। राजस्थान के जयपुर, सीकर, अजमेर सहित कई जिलों में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की गई।

पुलिसकर्मियों का आरोपियों के फोटो-वीडियो अपलोड करना गलत

- एससी बोला-यह निष्पक्ष सुनवाई के लिए खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ

पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है। कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय माना है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पहले भी राज्यों को पुलिस मीडिया ब्रीफिंग के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा जा चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे। आज हर मोबाइल फोन रखने वाला व्यक्ति खुद को मीडिया समझने लगा है।

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से की बातचीत

- मिडिल ईस्ट में हमलों की निंदा की,कहा-समुद्री रास्तों का खुला रहना बहुत जरूरी

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का शनिवार को 22वां दिन था। पीएम ने शनिवार को ईरानी राष्ट्रपति से फोन पर बातकर उन्हें ईद और नवरोज की बधाई दी। उन्होंने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी। पीएम ने लिखा- मैंने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पजशकियान से बात की। हमने उम्मीद जताई कि इस त्योहार के समय मिडिल ईस्ट में शांति और स्थिरता आए।

मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से बातचीत में मिडिल ईस्ट में जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर (जैसे तेल, बिजली आदि) पर हो रहे हमलों की निंदा की, क्योंकि इससे इलाके की शांति और दुनिया की सप्लाई पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि समुद्री रास्ते खुले और सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है, ताकि व्यापार ठीक से चलता रहे। इसके साथ ही, ईरान में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा में मदद के लिए ईरान का धन्यवाद किया। **ट्रम्प ने नाटो देशों को कायर बताया-** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान युद्ध में साथ न देने पर नाटो सहयोगी देशों पर नाराजगी जताई है। ट्रम्प ने कहा है कि नाटो देश कायर हैं।

ईद की खुशबू से महका भारत, हर ओर रौनक

- सजदे में झुके सिर, दुआओं में उठे लाखों हाथ, भाईचारा बना रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में ईद-उल-फितर का पवित्र त्योहार बड़े जोश से मनाया गया। यह त्योहार रमजान के पवित्र महीने के खत्म होने के बाद मनाया जाता है। जब आसमान में शव्वाल महीने का नया चांद नजर आता है, तब ईद की शुरुआत होती है। यह दिन खुशी, भाईचारे और एक-दूसरे के साथ प्यार बांटने का प्रतीक है। ईद-उल-फितर का बहुत खास महत्व है। इस्लाम में रमजान का महीना बेहद पवित्र माना जाता है क्योंकि इसी महीने में कुरान का अवतरण हुआ था। पूरे महीने रोजा रखने के बाद ईद का दिन अल्लाह का शुक्र अता करने का दिन होता है। लोग इस बात के लिए शुक्रिया कहते हैं कि उन्हें रोजा रखने और इबादत करने की ताकत मिली। ईद-उल-फितर का यह पवित्र

दिन सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने और खुशियां बांटने का खास मौका है। आज सुबह मस्जिदों और ईदगाहों में हजारों-लाखों लोग एक साथ नमाज अता कर अल्लाह का शुक्र अता किया, नए कपड़ों में सजे बच्चे खुशी-खुशी दौड़-भाग कर रहे थे। ईद इसलिए मनाई जाती है क्योंकि रमजान के दौरान मुसलमान पूरे मन से रोजा रखते हैं और इबादत करते हैं। ऐसा माना जाता है कि सच्चे दिल से रखे गए रोजों से अल्लाह खुश होते हैं और अपनी रहमत बरसाते हैं। ईद-उल-फितर उसी खुशी का जश्न है जो रोजों के पूरा होने पर मनाई जाती है। इस दिन लोग अल्लाह का शुक्रिया अदा करते हैं और जीवन में एक नई शुरुआत का संकल्प लेते हैं।

चतुर्थ मां कूष्माण्डा

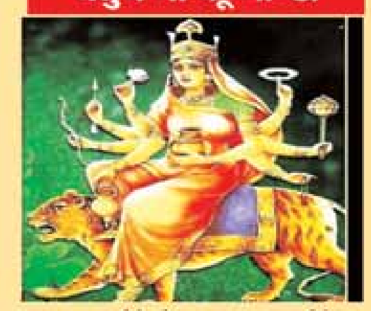

कू' का अर्थ है छोटा, 'ष्' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा' का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला सृष्टि या ऊर्जा का छोटे से वृहद ब्रह्मांडीय गोला। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में ऊर्जा का संचार छोटे से बड़े में होता है। यह बड़े से छोटा होता है और छोटे से बड़ा; यह बीज से बढ़ कर फल बनता है और फिर फल से दोबारा बीज हो जाता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने की गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा

- गोल्फ कार्ट से डेढ़ घंटे में 21 किमी पूरे किए

अपने परिवार के साथ गिरिराजजी की पूजा की

मथुरा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को परिवार के साथ गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की। राष्ट्रपति मथुरा प्रवास के आखिरी दिन सुबह करीब साढ़े 8 बजे वृंदावन के रेडिसन होटल से दानघाटी मंदिर पहुंचीं। गिरिराज जी के दर्शन किए। दूध से अभिषेक किया। प्रसाद चढ़ाया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी थीं। पूजा-अर्चना के बाद राष्ट्रपति ने 21 किलोमीटर की गोवर्धन परिक्रमा शुरू की। थोड़ी दूर पैदल चलीं। फिर परिवार संग गोल्फ कार्ट में सवार होकर डेढ़ घंटे में परिक्रमा पूरी की। रास्ते में राष्ट्रपति हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन स्वीकार करती रहीं। इसके बाद भारतीय वायुसेना हेलीकॉप्टर से दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। यहां मथुरा सांसद हेमामालिनी भी पहुंचीं। दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू, यूपी के 3 दिन के दौरे पर थीं। गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे। शुक्रवार को वृंदावन में संत प्रेमानंद जी से मुलाकात की थी। प्रेमानंदजी ने राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया था। राष्ट्रपति मुर्मू का मथुरा का यह दूसरा दौरा था। इससे पहले वह पिछले साल 25 सितंबर को आई थीं।

गोवर्धन जाने वाली पहली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू स्वतंत्र भारत की पहली राष्ट्रपति हैं, जो गोवर्धन पहुंची हैं। गिरिराज जी की नगरी गोवर्धन में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर खास तैयारी रही। पूरे गोवर्धन को दुल्हन की तरह सजाया गया। तिराहा चौराहा पर रंग

बिरंगी लाइटों से सजावट की गई। दानघाटी मंदिर में गिरिराज जी का रंग बिरंगे फूलों से श्रृंगार किया गया। एक दिन पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने बेटी इतिश्री मुर्मू, दामाद गणेश हेम्ब्रम और दोनों नातिनें आद्याश्री और नित्याश्री के साथ केलीकुंज आश्रम पहुंची थीं। यहां उनके लिए कुर्सियां लगाई गई थीं। संत प्रेमानंद महाराज के साथ आध्यात्मिक चर्चा के दौरान राष्ट्रपति भाव-विभोर दिखी थीं।

पंजाब और राजस्थान में पानी पर सियासी आग

- पीएम मोदी के पास भगवंत मान की शिकायत लेकर पहुंच सकते हैं भजन लाल

जयपुर (एजेंसी)। पंजाब और राजस्थान के बीच नदी के पानी को लेकर सियासी जंग छिड़ गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राजस्थान से पानी के शुल्क के बकाया 1.44 लाख करोड़ रुपये मांगे हैं। उन्होंने यह राशि नहीं दिए जाने पर राजस्थान को पानी नहीं देने की चेतावनी दी है। इस पर राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने पंजाब को राशि देने से साफ इनकार कर दिया है। अब संकेत मिल रहे हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल पीएम मोदी से मिलेंगे और उनसे भगवंत मान की शिकायत करेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पानी का शुल्क मांगा।

अब ब्रिटिश सरकार नहीं, पंजाब सरकार है

भगवंत मान ने 1920 में ब्रिटिश सरकार, बीकानेर रियासत और बहावलपुर (अब पाकिस्तान में) के बीच हुए समझौते का हवाला देते हुए कहा था कि राजस्थान अपना पानी का बकाया शुल्क चुकाए या पानी लेना बंद कर दे। इस पर राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा है कि उस समझौते के तहत शुल्क ब्रिटिश सरकार को दिया जाना था, न कि पंजाब को। सुरेश सिंह रावत ने कहा है कि आजादी के बाद सन 1955, 1959 और 1981 में रावी, ब्यास और सतलुज नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर समझौते हुए थे। इनमें कहीं भी रॉयल्टी या अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।

देश में खुलेंगे 100 नए सैनिक स्कूल, एनसीसी का होगा विस्तार

- राजनाथ सिंह का बड़ा ऐलान,कहा-हमने एनसीसी में रिक्तियों की संख्या बढ़ा दी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की रक्षा तैयारियों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को नया आयाम देते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ी घोषणाएं की हैं। सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के डायमंड जुबली समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने देश भर में 100 नए सैनिक स्कूल खोलने और एनसीसी कैडेटों की संख्या में भारी बढ़ोतरी करने का ऐलान किया। रक्षा मंत्री ने युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति के मूल्यों को समाहित करने के उद्देश्य से नेशनल कैडेट कोर के विस्तार की घोषणा की। उन्होंने कहा,हमने एनसीसी में रिक्तियों की संख्या बढ़ा दी है। पहले जहां भर्ती का लक्ष्य 17 लाख (1.7 मिलियन) था, अब इसे बढ़ाकर 20 लाख (2 मिलियन) करने का निर्णय लिया गया है। इससे अधिक से अधिक बच्चों को राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक संस्कार सीखने का अवसर मिलेगा। सैन्य उन्मुख शिक्षा के दायरे को बढ़ाते हुए

राजनाथ सिंह ने बताया कि सरकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत देश में 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये संस्थान न केवल रक्षा सेवाओं के लिए युवाओं को तैयार करते हैं, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए भी उन्हें सक्षम बनाते हैं। रक्षा मंत्री ने सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश की अनुमति देने के सरकार के फैसले को ऐतिहासिक और क्रांतिकारी बताया। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर करार देते हुए कहा कि महिला कैडेटों के प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि हमारी बेटियां हर क्षेत्र में बेटों के बराबर हैं। समारोह के दौरान उन्होंने सैनिक स्कूल घोड़ाखाल की विरासत की सराहना की। उन्होंने गर्व के साथ बताया कि इस अकेले स्कूल ने अब तक 800 से अधिक छात्र नेशनल डिफेंस एकेडमी को दिए हैं।

60 साल में पहली बार अल-अक्सा मस्जिद ईद में बंद

ईरान में बाजार सूने, यूएई, कतर और कुवैत में खुले में नमाज पर रोक

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। दुनियाभर में शनिवार को ईद मनाई गई। मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच पिछले 22 दिनों से जंग चल रही है। ऐसे में 60 साल में पहली बार इजराइल के यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को ईद की नमाज के लिए बंद कर दिया गया है। 1967 के अरब-इजराइल युद्ध के बाद पहली बार है,

जब अल-अक्सा को पूरी तरह बंद किया गया है। यह मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना के बाद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है। ईरान में शुक्रवार को ईद मनाया गया। इस मौके पर बाजार वीरान नजर आए। वहीं कतर, यूएई और कुवैत जैसे खाड़ी देशों में ईद मनाया गया। जंग की वजह से खुले मैदानों में नमाज नहीं हुई।

यरुशलम में आम लोगों की एंट्री बंद

28 फरवरी से अमेरिका और इजराइल के ईरान के खिलाफ शुरू हुए युद्ध के बाद, सुरक्षा कारणों से इजराइली अधिकारियों ने यरुशलम में आम लोगों की एंट्री बंद कर रखी है। सिर्फ वहां रहने वाले लोग या दुकानदार ही अंदर जा सकते हैं। 6 मार्च से वेस्टर्न वॉल, अल-अक्सा मस्जिद और चर्च ऑफ द होली सेपल्कर जैसे सभी धार्मिक स्थल बंद हैं। पूरे देश में भीड़ पर भी पाबंदी है। मस्जिद के अंदर 100 और बाहर 50 लोगों तक ही इकट्ठा होने की अनुमति है।

मथुरा में गोरक्षक साधु की मौत पर हंगामा

- जमकर हो गया पथराव, पुलिस की गाड़ियां भी तोड़ीं
- आरोप-गोतस्करों ने ट्रक से कुचला

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा में गोरक्षक चंद्रशेखर बाबा (45) की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। वह फरसा वाले बाबा के नाम से मशहूर थे। घटना के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए लोगों ने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। बाबा के एक साथी ने दावा किया- शनिवार तड़के बाबा 2 साथियों के साथ ट्रक का पीछा कर रहे थे। ट्रक में गोवंश होने की सूचना थी। ट्रक को ओवरटेक कर बाबा ने सामने बाइक खड़ी कर दी। तभी अचानक ड्राइवर ने रफ्तार बढ़ा दी और बाबा को कुचलते हुए फरार हो गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि शक के आधार पर बाबा

एक ट्रक को रोककर चेकिंग कर रहे थे। सुबह कोहरा होने की वजह से पीछे से आ रहे ट्रक ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। बाबा इसकी चपेट में आ गए। ट्रक चालक भी घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एएसपी शैलेश पांडे ने साफ किया कि ट्रकों में कोई गोवंश नहीं था। दरअसल, बाबा की मौत कोसीकलां के कोटवन थाना क्षेत्र में हुई। घटना की जानकारी इलाके में आग की तरह फैली।

साथी बोले-गोतस्करों का पीछा कर रहे थे

पहली थ्योरी बाबा के साथियों और शिष्यों ने बताई। उनके मुताबिक, बरसाना के आजनौंख गांव में गोशाला चलाने वाले फरसा वाले बाबा को सूचना मिली कि कोसी में नेशनल हाईवे पर एक ट्रक में गोवंश को भरकर ले जाए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही बाबा दो शिष्यों के साथ बाइक से निकल गए। जब कोसी में नेशनल हाईवे पर बठन गेट इलाके में पहुंचे तो वहां गोवंश ले जाता ट्रक दिखाई दिया। बाबा ने जब ट्रक को रुकवाने का प्रयास किया तो गोतस्करों ने ट्रक की रफ्तार बढ़ा दी। करीब 7 किलोमीटर पीछा कर बाबा कोटवन चौकी क्षेत्र स्थित नवीपुर गांव पर पहुंचे। ट्रक को ओवरटेक कर बाइक से उतरे और ट्रक के सामने खड़े हो गए। इस दौरान ट्रक ने बाबा को कुचल दिया।

संक्षिप्त समाचार

ऑरी की गेंदबाजी पर ईशान किशन नहीं खेल पाए शॉर्ट, मैच प्रैक्टिस करते वीडियो किया शेयर

पटना। 28 मार्च से आईपीएल 2026 की शुरुआत हो रही है। इसमें बिहार के कई खिलाड़ी नजर आने वाले हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन अपने मैच के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। इस बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे सेलिब्रिटी ऑरी के साथ क्रिकेट के लिए प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। वह बैटिंग कर रहे हैं और ऑरी गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑरी ऐसा बॉल फेंकते हैं कि ईशान शॉट नहीं मार पाते हैं। इस बीच एक शख्स जाकर उनके कानों में कुछ कहता है, जिसके बाद वह एक शानदार शॉट मारते हैं और ऑरी अपना सर पकड़कर बैठ जाते हैं। इससे पहले ऑरी ने ईशान किशन के साथ एक फनी रील शेयर की थी। इसे शेयर करते हुए ऑरी ने कैप्शन में लिखा- 'वर्ल्ड कप चैंपियन है तो फ्री में फोटो लेगा।' ईशान ने भी कमेंट में लिखा है 'नो'। दरअसल, इस वीडियो में ईशान किशन गेंद को हाथ में पकड़े नजर आ रहे हैं। ऑरी उनसे रिक्वेस्ट करते हुए कहते हैं 'एक्सक्यूज मी, जब मैं आपके साइड से गुजरूं तो क्या आप मुझसे फोटो मांग सकते है।' ईशान किशन बोलते हैं- क्यों नहीं। जब ऑरी वीडियो बनाते हुए जाते हैं, तो क्रिकेटर उनसे फोटो मांगते हैं, लेकिन ऑरी मना कर देते हैं।

ईद को लेकर मस्जिदों के पास पुलिस तैनात, पेट्रोलिंग टीम, क्विक रिस्पांस टीम और मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां एक्टिव

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने ईद-उल-फितर पर्व के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। जिले की सभी मस्जिदों, ईदगाहों और अन्य नमाज स्थलों पर पर्याप्त संख्या में सशस्त्र पुलिस बल, महिला पुलिस बल और दंडाधिकारियों को तैनात किया गया है। तैनात सभी पुलिस अधिकारी और कर्मी अपने-अपने निर्धारित स्थलों पर पूरी मुस्तैदी, सतर्कता और अनुशासन के साथ ड्यूटी कर रहे हैं। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त बल तैनात किया गया है, जहां लगातार निगरानी रखी जा रही है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में गश्ती दल, क्विक रिस्पांस टीम (QRT) और मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां सक्रिय हैं। सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी माध्यमों से भी निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई हो सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और तैनात दंडाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) भी सक्रिय है, जहां से पूरे जिले की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को रौंदा, मां की मौत, बेटी गंभीर घायल, पीएमसीएच रेफर, ड्राइवर मौके से भागा

हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचल दिया। इस हादसे में मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक महिला की पहचान सदर थाना क्षेत्र के धोवघटी निवासी गंगासागर राय की पत्नी फूलन देवी के रूप में हुई है। हादसे में घायल उनकी बेटी तन्नू कुमारी को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर यातायात थाने की पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मां और बेटी स्कूटी पर सवार होकर किसी काम से हाजीपुर आ रही थीं। रामाशीष चौक के निकट पहुंचते ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही राहगीर और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। यातायात थाने की पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मां-बेटी को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि वे किसी काम से हाजीपुर जा रही थीं। घटना की जानकारी परिजनों द्वारा स्थानीय थाने को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

मोकामा टाल में बिजली गिरने से 8 घायल, फसल कटाई में ट्रैक्टर पर हुआ हादसा, सभी घर लौट रहे थे

पटना। मोकामा टाल में वज्रपात से आठ मजदूर घायल हो गए। यह घटना घोसवरी थाना क्षेत्र के बबूराही टाल में हुई। सभी घायलों को मोकामा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह हादसा फसल कटाई के दौरान हुआ। मौसम अचानक खराब होने लगा, जिसके बाद मजदूर ट्रैक्टर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर पर वज्रपात हो गया, जिससे उस पर सवार सभी मजदूर घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्हें तुरंत किसान द्वारा मोकामा ट्रामा सेंटर लाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। ये मजदूर बिहार के विभिन्न जिलों जैसे मधेपुरा, खगड़िया और सहरसा से मोकामा टाल में फसल काटने आते हैं। वे हर साल लगभग एक महीने तक यहां रहकर फसल कटाई का काम करते हैं और फिर अपने गृह जिलों को लौट जाते हैं। घायल ने बताया कि फसल काटने के बाद वह ट्रैक्टर पर फसल लोड कर रस्सा से बांध रहे थे। इसी दौरान अचानक बारिश होने लगी। आनन-फानन में सभी मजदूर रस्सा बांधकर ट्रैक्टर पर सवार हो गए। अचानक ट्रैक्टर पर बिजली गिरी, जिससे कुछ लोग बेहोश हो गए। टेलर पर रखी फसल में आग लग गई, मजदूरों को होश आने के बाद आग को बुझाया गया।

पटना जंक्शन के बाहर चलते-चलते गिरा शख्स, मौत, बॉडी की नहीं हो पाई पहचान

पटना। पटना जंक्शन से सटे करबिगहिया इलाके में शनिवार सुबह एक अज्ञात शख्स की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह चलते-चलते अचानक गिर गया। कुछ देर तक तड़पता रहा और फिर मौके पर ही दम तोड़ दिया। सुबह करीब 6:45 बजे जक्कनपुर थाना को इस घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना से जुड़े CCTV फुटेज में दिख रहा है कि शख्स रेलवे हॉस्पिटल पटना की ओर से पैदल चलता हुआ आया और करबिगहिया के पास बैठ गया। कुछ देर बाद वह तड़पने लगा और फिर अचेत हो गया। शख्स को इस हालत में देखकर एक राहगीर ने स्टेशन काउंटर पर सूचना दी। इसके बाद मामला RPF तक पहुंचा। RPF जवान और मेडिकल टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक शख्स की मौत हो चुकी थी। मृतक के पास से किसी तरह की पहचान से संबंधित डॉक्यूमेंट नहीं मिले हैं, जिसके चलते पहचान नहीं हो पा रही है। इससे मामला और भी रहस्यमय बन गया है। पुलिस बॉडी की पहचान करने की कोशिश में जुटी है। जक्कनपुर थानेदार ऋतुराज कुमार सिंह ने बताया कि, राहगीर के द्वारा ही तबियत खराब होने की जानकारी दी गई थी। घटना स्थल सुरक्षित कर के FSL से जांच करा ली गई है। UD केस दर्ज कर के शव को पोस्टमार्टम के लिए PMCH भेजा गया है। शव की पहचान कराई जा रही है।' पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

तेज आंधी-पानी से फसलों को भारी नुकसान, वज्रपात से 2 की मौत

एजेंसी, पटना

बिहार में शुक्रवार देर रात तेज आंधी-पानी के साथ वज्रपात से 02 लोगों की मौत हो गई और फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना सहित राज्य के 13 जिलों में हुई आंधी-बारिश से फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने से गयाजी में 02 लोगों की मौत हो गई। देर रात राज्य के कई जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। पटना के बाढ़ इलाके में ताड़ के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से आग लग गई, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

वहीं, गया जिले के वजीरगंज और डुमरिया में वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान वजीरगंज के कोल्हना गांव निवासी मनोज सिंह (50) और डुमरिया के छकरबंधा थाना क्षेत्र निवासी महेंद्र यादव (55) के रूप में हुई है।

मौसम विभाग ने स्थिति को गंभीर मानते हुए गोपालगंज, सारण ,सीवान, वैशाली, बेगूसराय, जहानाबाद, लखीसराय, नालंदा, नवादा,पटना और शेखपुरा जिले के कुछ भागों में अगले दो से तीन घंटों में मध्यम दर्जे की मेघ गर्जना , वज्रपात तथा वर्षा के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने को लेकर अलर्ट जारी किया है। राज्य के अन्य जिलों में भी 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बदलाव के पीछे बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और सक्रिय ट्रफ लाइन मुख्य कारण हैं। दिन में बढ़ती गर्मी के कारण वातावरण में अस्थिरता बढ़ रही है, जिससे आंधी-बारिश की स्थिति बन रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान सुबह जहां मौसम सामान्य और धूप वाला रहा, वहीं शाम होते-होते तेज आंधी और बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया।

कैमूर में अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि 18 डिग्री सेल्सियस के साथ राजगीर सबसे ठंडा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 21 मार्च को राज्य के अधिकतर हिस्सों में मौसम सक्रिय रहेगा। हालांकि 22 मार्च के बाद मौसम में धीरे-धीरे सुधार होने की संभावना है।

2020 दिल्ली दंगे के आरोपी शरजील को मिला पेरोल

एजेंसी, पटना

भाई की शादी में शामिल होने पटना पहुंचा, 30 मार्च करना होगा सरेंडर

दिल्ली दंगे के आरोपी शरजील इमाम करीब 6 साल बाद जेल से बाहर आकर पटना पहुंचे हैं। कोर्ट ने उन्हें 20 मार्च से 30 मार्च तक 10 दिनों के पेरोल की अनुमति दी है। इस दौरान वे अपने छोटे भाई की शादी में शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार, शरजील इमाम पटना पहुंचने के बाद सीधे जहानाबाद के लिए रवाना हो गए, जहां उनका पैतृक घर है। उनके छोटे भाई मुजम्मिल इमाम की शादी 25 मार्च को तय है। इसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उन्होंने कोर्ट से पेरोल की मांग की थी, जिसे मंजूरी मिल गई।

मां की तबीयत भी बनी वजह: पेरोल दिए जाने की एक वजह उनकी मां की खराब सेहत भी बताई जा रही है। परिवार ने कोर्ट से आग्रह किया था कि शादी और पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें अस्थायी राहत दी जाए। कोर्ट ने इन मानवीय आधारों पर 10 दिन की पेरोल स्वीकृत की। कोर्ट के आदेश के अनुसार, शरजील इमाम को 30 मार्च तक वापस जेल में सरेंडर करना होगा। फिलहाल वे पैरोल की शर्तों के तहत अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं और शादी की तैयारियों में शामिल होंगे। पेरोल मिलने के बाद उनके छोटे भाई मुजम्मिल इमाम ने कोर्ट का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि परिवार के लिए यह समय महत्वपूर्ण है और इस फैसले से उन्हें बड़ी राहत मिली है। गौरतलब है कि शरजील इमाम का नाम 2020 दिल्ली दंगे के मुख्य आरोपियों में शामिल रहा है। इन दंगों में 50 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। तब से वे न्यायिक हिरासत में थे। शरजील इमाम के पटना और जहानाबाद आने को लेकर स्थानीय प्रशासन भी सतर्क है।

चैती छठ 2026, उलार सूर्य मंदिर में तैयारियां पूरी

एजेंसी, पटना

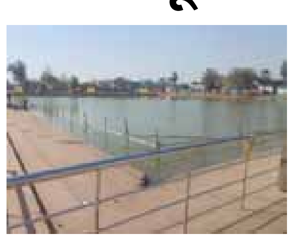

पटना जिला प्रशासन ने चैती छठ महापर्व के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पटना से 35km दूर दुल्हिनबाजार प्रखंड स्थित प्राचीन उलार सूर्य मंदिर में मंदिर प्रबंधन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। लोक आस्था का यह महापर्व चैती छठ 22 मार्च से 'नहाय-खाय' के साथ शुरू हो रहा है। इसके अगले दिन 23 मार्च को खरना, 24 मार्च को अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। फिर 25 मार्च को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चैती छठ महापर्व का समापन होगा।

पौराणिक तालाब की घेराबंदी की गई: मंदिर परिसर में बने पौराणिक तालाब की घेराबंदी की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सुरक्षा निगरानी के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाएगा। छठव्रतियों के ठहरने की व्यवस्था भी की गई है, जिसमें स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। देश के 12 प्रमुख सूर्य मंदिरों में से एक, ओलारर्क (उलार) सूर्य मंदिर का इतिहास द्वापर युग से जुड़ा है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र राजा शाम ने इस मंदिर की स्थापना की थी। मुगल काल में इसे ध्वस्त करने का प्रयास किया गया था, लेकिन बाद में इसका पुनर्निर्माण हुआ। मंदिर में हजारों साल पुरानी मूर्तियां स्थापित हैं। भक्तों का मानना है कि सच्चे मन से पूजा करने और मंदिर परिसर के तालाब में स्नान करने से कुष्ठ रोग जैसी बीमारियां दूर हो जाती हैं।

नीट छात्रा मौत केस, सीबीआई ने मामा से की पूछताछ

एजेंसी, पटना

पीड़ित पक्ष के वकील बोले- दोषियों से क्यों नहीं करते सवाल-जवाब, अधिकारी बदले, लेकिन लीपापोती जारी

पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत की गुत्थी अभी तक सुलझी नहीं है। मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। POCSO कोर्ट की फटकार के बाद एजेंसी ने केस के जांच अधिकारी (IO) को बदल दिया है। इसी क्रम में शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे CBI ने छात्रा के मामा को पूछताछ के लिए बुलाया। पटना स्थित सीबीआई कार्यालय में उनसे पूछताछ की गई। बताया गया है कि नए जांच अधिकारी डीएसपी विभा कुमारी ने ही मामा को पूछताछ के लिए बुलाया है।

वही, प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर सतीश को सीबीआई कार्यालय बुलाया गया, जहां करीब आधे घंटे तक डॉ सतीश से पूछताछ की गई है। सीबीआई ने 12 फरवरी को यह मामला अपने हाथ में लिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। इस बीच पीड़ित पक्ष के वकील एसके पांडेय ने POCSO कोर्ट में शिकायत और मुआवजे के लिए आवेदन दाखिल किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को निर्धारित है।

मामा से लगभग 1 घंटे में 25 सवाल किए: सीबीआई के जांच अधिकारी ने छात्रा के मामा से लगभग 1 घंटे में 25 सवाल किए। मामा ने बताया कि, 'CBI भी मामले की लीपापोती कर रही है। जांच अधिकारी बदले जा रहे, लेकिन किसी भी तथ्यों की जांच सही दिशा में नहीं की जा रही।'

केवल पीड़ित परिवार से पूछताछ, दोषियों से क्यों नहीं- वकील: पीड़ित पक्ष के वकील एसके पांडे ने बताया कि, मामले की निष्पक्ष जांच नहीं की जा रही है। जांच के नाम पर पीड़ित परिवार को परेशान किया जा रहा है, उन्हें टॉर्चर किया जा रहा है। पीड़ित परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है कि मान लीजिए यह आत्महत्या है।' उनका कहना है कि, 'इंसाफ और सत्य की लड़ाई अब आर पार लड़ी जाएगी। बेटियों के समक्ष लड़ी जाएगी। एसके पांडे ने बताया कि, 'सीबीआई के जांच अधिकारी भले ही चेंज हो गए हों, लेकिन जांच के नाम पर लीपापोती की जा रही है। नए जांच अधिकारी से उम्मीद है कि वह सही तथ्यों और सही दिशा में कम करें।'

CBI टीम का परिजनों ने किया विरोध: CBI से इस मामले की IO बनने के बाद डीएसपी विभा कुमारी अपनी टीम के साथ छात्रा के घर जहानाबाद पहुंची थीं। वहां परिजनों और ग्रामीणों ने सीबीआई टीम का विरोध किया। उनका कहना था कि सीबीआई तीन-चार बार पूछताछ कर चुकी है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। पूछताछ के दौरान छात्रा की मां की तबीयत बिगड़ जाती है और वे बेहोश हो जाती हैं। लगातार बदलते हालात और धीमी जांच प्रक्रिया से इस हाई-प्रोफाइल मामले में सीबीआई की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। परिजन न्याय की मांग पर अड़े हैं और आगामी सुनवाई से उम्मीदें लगाए बैठे हैं। सीबीआई के वकील ने जब केस टेकओवर कर पटना में दर्ज किया, तो प्राथमिकी में पॉक्सो एक्ट नहीं जोड़ा गया, बल्कि हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया। इसी कारण पॉक्सो कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाई। जेल में बंद मनीष कुमार रंजन को सीबीआई ने रिमांड पर लेकर पूछताछ नहीं की।

चैती छठ 22 मार्च से, पटना के 49 घाट तैयार

एजेंसी, पटना

चैती छठ की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। इसे लेकर पटना के घाटों को तैयार किया जा रहा है। राजधानी के 49 घाटों पर इस बार श्रद्धालु अर्घ्य देंगे। पटना नगर निगम द्वारा पटना के घाटों पर तैयारियां की जा रही है, लेकिन कई घाटों पर श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दीघा घाट के पास बैरिकेडिंग कर वॉच टावर लगाने की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन घाट किनारे जमीन पर गिट्टी, ईंट, पत्थर बिखरे हुए हैं, जो श्रद्धालुओं के पैरों में चुभ सकते हैं।

कलेक्ट्रेट घाट पहुंचने के लिए 2 किलोमीटर पैदल चलना होगा: कलेक्ट्रेट घाट पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 2 किलोमीटर पैदल चलना होगा। बांकीपुर क्लब के सामने से पैदल चल कर कलेक्ट्रेट घाट पर पहुंच सकते हैं। अंटा घाट और पीएमसीएच के बगल से गंगा पथ के रास्ते भी इस घाट तक पहुंचा जा सकता है। संपर्क पथ का काम अंतिम दौर में है। एक किमी से अधिक चौड़ाई वाले इस घाट को पीले और सफेद कपड़े से घेरा गया है। दरभंगा हाउस काली घाट, पटना कॉलेज घाट, कदम घाट, कृष्णा घाट और उससे आगे रानी घाट से लेकर गायघाट तक पक्का घाट से ही व्रती अर्घ्य दे सकेंगे। गंगा का पानी किनारे तक पहुंचने से व्रतियों को पैदल नहीं चलना पड़ेगा।

3 लेवल बैरिकेडिंग और रेलिंग बनाया गया: पटना नगर निगम द्वारा सभी गंगा घाटों और तालाबों की सफाई की जा रही है। रंग-रोगन, मरम्मत और समतलीकरण किया जा रहा है। सभी हाई-मास्ट लाइटों को 21 मार्च तक हर हाल में दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। 'ओपन वायर' की जांच कर उन्हें ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी घाटों पर 3 लेवल बैरिकेडिंग और रेलिंग का निर्माण किया जा रहा है।

गंदगी या लापरवाही पर होगी कार्रवाई: घाटों के 1 किलोमीटर दायरे में गंदगी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लंघन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित होगी। सड़कों और ओवरब्रिज की धुलाई के लिए जेटिंग मशीनों की तैनाती की जाएगी। निगम प्रशासन ने अंचलवार अधिकारियों की तैनाती कर दैनिक मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया है।

खतरनाक घाटों को पूरी तरह सील कर प्रवेश पर रोक है। साइनबोर्ड, बैनर और फ्लैक्स लगाए गए हैं, ताकि खतरनाक घाटों की पहचान हो सके। चैती छठ में जिला प्रशासन ने 8 घाटों को खतरनाक घोषित किया है।

सरकारी योजना का झांसा देकर खुलवाए 100 से ज्यादा ठगी के खाते, 3 गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के सलेमपुर थाना क्षेत्र में साइबर पुलिस ने एक बड़े संगठित ठगी गिरोह का खुलासा किया है। यह गिरोह सैदपुर, मुरादपुर और सुंदरपुर गांवों में सक्रिय था। जांच में सामने आया कि कुछ लोग सरकारी योजनाओं (जैसे शौचालय निर्माण / मरम्मत योजना) का लाभ दिलाने के नाम पर ग्रामीणों, खासकर गरीब महिलाओं को झांसा देकर उनके बैंक खाते खुलवा रहे थे। महिलाओं को पहले बैंक शाखाओं में ले जाकर खाते खुलवाए गए, फिर एक में भोज और कार्यक्रम के दौरान एक साथ 100 से ज्यादा खाते खुलवाए गए। उन्हें बताया जाता था कि खाते में 12,000 आएंगे, जिसके लिए बैंक खाता जरूरी है।

तीन बैंकों में खोले गए खाते: अब तक की जांच में पाया गया है कि सभी खाते बैंक ऑफ इंडिया (सलेमपुर), बैंक ऑफ इंडिया (बख्तियारपुर) और इंडियन ओवरसीज बैंक में खोले गए। खाते खोलने के दौरान महिलाओं से आधार कार्ड, फोटो और फिंगरप्रिंट लिए गए। जांच में सीता कुमारी नाम की महिला की संलिप्तता पायी गई, जिसने ग्रामीण महिलाओं को यह कहकर खाता खुलवाने के लिए तैयार किया कि सरकारी योजना का पैस पाने के लिए खाता जरुरी है और खाते में 12,000 आएंगे। इसके अलावा गांव के अवध राय, कुमारी देवी और विभा देवी की संलिप्तता की बात भी ग्रामीणों ने कही है।

जांच में पता चला कि इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी के पैसे मंगाने और निकालने के लिए किया जा रहा था। इन खातों से जुड़े 100 से ज्यादा मामले NCRP (National Cyber Crime Reporting Portal) पर दर्ज पाये गये, जिनमें करोड़ों रुपये की ठगी की गयी थी। खातों में पैसा आते ही उसे नालंदा, बेगूसराय, बिहारशरीफ और पटना समेत विभिन्न जगहों से एटीएम के जरिए तुरंत निकाल लिया जाता था। इससे साफ है कि इन खातों का इस्तेमाल "म्यूल अकाउंट" के रूप में किया जा रहा था।

टेंडर-योजनाओं में गड़बड़ी पर ईओयू सख्त, विशेष टीम गठित

एजेंसी, पटना

आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने सरकारी विभागों में टेंडर प्रक्रिया और योजनाओं के क्रियान्वयन में हो रही अनियमितताओं पर सख्ती बढ़ा दी है। इकाई ने एक अधीक्षक के नेतृत्व में 5 सदस्यीय विशेष निगरानी टीम का गठन किया है, जो पूरे राज्य से मिलने वाली शिकायतों की जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

विशेष टीम करेगी निगरानी: पटना स्थित पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान ईओयू के पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार ने बताया कि, टेंडर आमंत्रण, आवंटन और योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी को देखते हुए त्वरित और प्रभावी जांच के लिए यह टीम बनाई गई है। यह टीम पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में कार्य करेगी, जिसमें एक डीएसपी और पुलिस निरीक्षक रैंक के अधिकारी शामिल होंगे। इस टीम का मुख्य उद्देश्य शिकायतों का सत्यापन करना, अनियमितताओं की पुष्टि होने पर विधिसम्मत कार्रवाई करना और पूरे सिस्टम में पारदर्शिता के साथ निष्पक्षता सुनिश्चित करना है।'

NBPDCL इंजीनियर पर DA केस: ईओयू ने नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (NBPDCL) के कार्यपालक अभियंता मनोज कुमार रजक के खिलाफ 16 मार्च 2026 को आय से अधिक संपत्ति (DA) का मामला दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय से 62.66% अधिक संपत्ति अर्जित की है। जांच में जमीन, आभूषण और बैंक खातों से जुड़े कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। FIR में दर्ज संपत्तियों के अलावा 4-5 अन्य जमीन के कागजात भी मिले हैं, जिनकी जांच जारी है। पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि कुछ संपत्तियां नेपाल में रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी गई हैं। इस अंतरराष्ट्रीय पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है।

21 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस ED को सौंपा: ईओयू ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े दो बड़े मामलों को प्रवर्तन निदेशालय (ED) को सौंप दिया है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के तहत केस दर्ज किया गया है। ईओयू के मुताबिक, इन मामलों में करीब 21 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेनदेन के प्रमाण मिले हैं। संबंधित सभी दस्तावेज और सूचनाएं ED को उपलब्ध करा दी गई है। फिलहाल, इन मामलों की जांच ED कर रही है।

अवैध खनन में 350 करोड़ का नुकसान, 62 केस की निगरानी: राज्य में अवैध खनन के मामलों में भी ईओयू ने सख्त रुख अपनाया है। खनन एवं भू-विज्ञान विभाग को लगभग 350 करोड़ रुपये के नुकसान से जुड़े 62 एफआईआर की निगरानी की जा रही है। जांच में सामने आया है कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के कुछ अधिकारियों ने 17 जिलों में लाइसेंस धारकों के साथ मिलकर खनन पोर्टल में तकनीकी छेड़छाड़ की, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान हुआ। ईओयू सभी 62 मामलों पर नजर बनाए हुए है। इसके साथ ही तकनीकी और वित्तीय पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर: ईओयू की यह पहल सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। टेंडर प्रक्रिया और योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी पर नजर रखने के लिए बनाई गई विशेष टीम आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

आर्म्स लाइसेंस में फर्जीवाड़ाः कुख्यात नाज अहमद खान पर केस, 15 हजार का इनाम घोषित

बीएनएम@ मोतिहारी। आर्म्स लाइसेंस लेने के लिए जालसाजी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। कुख्यात अपराधी नाज अहमद खान पर केसरिया थाना के थानाध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर कर सत्यापन रिपोर्ट तैयार कराने का आरोप लगा है। जानकारी के अनुसार, नाज अहमद खान ने एक चौकीदार की मिलीभगत से थानाध्यक्ष के जाली हस्ताक्षर कर रिपोर्ट तैयार कर उसे पुलिस अधीक्षक को भेज दिया। जब रिपोर्ट की जांच की गई तो हस्ताक्षर फर्जी पाए गए, जिसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर केसरिया थाना में नाज अहमद खान और चौकीदार मनोज सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चौकीदार मनोज सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मुख्य आरोपी नाज अहमद खान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। एसपी ने चेतावनी दी है कि 48 घंटे के भीतर सरेंडर नहीं करने पर कोर्ट के आदेश से कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, आरोपी नाज अहमद खान का संबंध केसरिया प्रखंड प्रमुख आलिया प्रवीण से बताया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी है।

भारी मात्रा में चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, बाइक जब्त

बीएनएम@ सुगौली। थाना क्षेत्र के गिद्धा गांव में शनिवार को पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में देशी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक अपाची बाइक भी जब्त की गई है। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गिद्धा गांव निवासी बिजली महतो के पुत्र राजू महतो को गिरफ्तार किया। उसके पास से करीब 110 लीटर चुलाई शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से अपाची बाइक को भी जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

शॉर्ट सर्किट से भीषण आग, बेटी की शादी और ईद की खुशियां मातम में बदली

बीएनएम@ रामगढ़वा। प्रखंड क्षेत्र के चड़वा पंचायत वार्ड संख्या-4 में शुक्रवार की रात करीब 8 बजे शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने एक परिवार को पूरी तरह तबाह कर दिया। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया और लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। पीड़ित शेख जमाल के घर में यह हादसा उस वक्त हुआ जब परिवार बेटी की आगामी शादी और ईद की तैयारियों में जुटा था। अगले महीने शादी तय थी, जिसके लिए सऊदी अरब में रहकर मजदूरी कर रहे शेख जमाल ने मेहनत की कमाई से करीब डेढ़ लाख रुपये नकद, जेवरात, कपड़े और अन्य जरूरी सामान जुटाए थे, जो आग में पूरी तरह नष्ट हो गए। इस दर्दनाक घटना में एक दो वर्षीय मासूम बच्चा भी गंभीर रूप से झुलस गया है। उसका चेहरा और दोनों हाथ बुरी तरह जल गए हैं, जिसका इलाज कराया जा रहा है।ुचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, जिससे आसपास के अन्य घरों को बचाया जा सका। इस दौरान पूर्व मुखिया शेख कलम ने पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों ने भी मानवता दिखाते हुए पीड़ित परिवार के लिए रहने और भोजन की तत्काल व्यवस्था की है। फिलहाल परिवार गहरे सदमे में है और स्थानीय थाने में आवेदन देने की प्रक्रिया जारी है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मुआवजा और सहायता की मांग की है, ताकि घायल बच्चे का समुचित इलाज कराया जा सके और बेटी की शादी की तैयारियां दोबारा पूरी हो सकें।

एलएनडी कॉलेज के छात्र हिमांशु कुमार ने बढ़ाया चंपारण का गौरव

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के सुदूरवर्ती प्रखंड पताही के खोड़ी पाकड़ गांव के प्रतिभाशाली छात्र हिमांशु कुमार ने विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट की राज्यस्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे चंपारण सहित बाबासाहब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। हिमांशु, मोहन सिंह एवं रीता देवी के पुत्र हैं।19 मार्च को बिहार विधानसभा में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में बिहार के 37 जिलों से कुल 185 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पूर्वी चंपारण का प्रतिनिधित्व एलएनडी कॉलेज के हिमांशु कुमार, सौरभ कुमार, मानसी कुमारी, मुंशी सिंह महाविद्यालय की मुन्नी भारती तथा एसआरएपी कॉलेज, बारा चकिया के दीपक कुमार ने किया। उल्लेखनीय है कि हिमांशु ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था। अब हिमांशु प्रतियोगिता के अंतिम चरण में देश की संसद में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। अपने प्रभावशाली भाषण में उन्होंने देश के बजट को युवा केंद्रित बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि "बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की रूपरेखा होता है। जब इस रूपरेखा के केंद्र में युवा होंगे, तो विकास की गति स्वतः तेज हो जाएगी।" उन्होंने आगे कहा कि "2047 का भारत कैसा होगा, यह केवल समय नहीं बल्कि आज का बजट और आज का युवा मिलकर तय करेंगे। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने हिमांशु की इस उपलब्धि को प्रेरणादायी बताते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि हिमांशु का निरंतर शिक्षकों से संवाद और सीखने की ललक ही उसकी सफलता का मूल आधार है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रविरंजन सिंह ने भी हिमांशु को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह एक कर्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवक रहा है और राष्ट्रीय स्तर पर भी चंपारण का नाम ऊंचा करेगा। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने संवाद प्रेषित करते बताया कि इस उपलब्धि से कॉलेज में उत्साह का माहौल है और छात्रों का मनोबल बढ़ा है। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने हिमांशु को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

बिहार दिवस पर मोतिहारी में भव्य आयोजन की तैयारी पूरी

बीएनएम@ मोतिहारी

बिहार दिवस के अवसर पर 22 मार्च को पूर्वी चंपारण जिले में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर दी गई है। ज्ञात हो कि 22 मार्च 1912 को बिहार, बंगाल से अलग होकर एक स्वतंत्र प्रांत बना था। इसी ऐतिहासिक दिन को हर वर्ष बिहार दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके माध्यम से राज्य के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को याद करते हुए भविष्य की दिशा तय की जाती है। इस वर्ष भी जिला प्रशासन द्वारा बिहार दिवस को उत्साह और धूमधाम के साथ मनाने की तैयारी की गई है। जिला मुख्यालय के साथ-साथ अनुमंडल, प्रखंड और विद्यालय स्तर पर भी विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे समाहरणालय परिसर से स्कूली बच्चों की प्रभात फेरी के साथ होगी। इसके बाद सुबह 9:30 बजे वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दोपहर 11 बजे से 1 बजे तक पेंटिंग प्रतियोगिता, 1 बजे से 3 बजे तक क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता तथा 3 बजे से 5 बजे तक रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन निर्धारित है। शाम 5 बजे महात्मा गांधी प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम) में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिलाधिकारी ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। साथ ही, सभी विभागीय पदाधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों की साफ-सफाई और सजावट सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

मोतिहारी में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठीः कालिदास साहित्य की शाश्वतता पर गहन विमर्श

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 20-21 मार्च 2026 को "भारत विद्या परंपरा एवं कालिदास साहित्य की शाश्वतता" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में देश-विदेश के विद्वानों ने भाग लेकर महाकवि कालिदास के साहित्य की वैश्विक प्रासंगिकता पर गहन विमर्श किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की, जबकि मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. चंद्रभूषण झा, प्रो. अनिल प्रताप गिरी, प्रो. अयान भट्टाचार्य तथा संयोजक प्रो. प्रसून दत्ता सिंह शामिल रहे। स्वागत भाषण में प्रो. प्रसून दत्ता सिंह ने कालिदास के साहित्य को "कॉस्मिक समन्वय" का प्रतीक बताते हुए प्रकृति और मानव के गहरे संबंधों को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र ने कालिदास के जीवन, काल और जन्मस्थान से जुड़ी विभिन्न मान्यताओं पर प्रकाश डालते हुए इसे भारतीय सांस्कृतिक विविधता की पहचान बताया। प्रो. चंद्रभूषण झा ने यूरोप, विशेषकर जर्मनी में कालिदास साहित्य की लोकप्रियता का उल्लेख किया, जबकि अन्य वक्ताओं ने 'अभिज्ञानशाकुंतलम्' और 'मेघदूतम्' जैसी कृतियों के माध्यम से कालिदास की आध्यात्मिकता और संवेदनशीलता पर चर्चा की। कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कालिदास की रचनाएं आज भी मानव भावनाओं और प्रकृति के संबंधों को गहराई से व्यक्त करती हैं।

मेहसी में ईद-उल-फितर हर्षोल्लास के साथ संपन्न, मिर्जापुर ईदगाह में उमड़ी भारी भीड़

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला के मेहसी प्रखंड में ईद-उल-फितर का पावन पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और पारंपरिक रूप से गांव-गांव जाकर सेवइयों का आनंद लिया। मिर्जापुर स्थित 108 वर्ष पुरानी ईदगाह सायरा मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए भारी संख्या में नमाजी पहुंचे। भीड़ इतनी अधिक रही कि ईदगाह परिसर छोटा पड़ गया और लोगों को सड़कों पर ही नमाज अदा करनी पड़ी। आसपास के दो दर्जन से अधिक गांवों से आए लोगों ने एक साथ नमाज अदा कर सामाजिक एकता का परिचय दिया। हरपुरनाग, मैन मेहसी, कोठियां, देवाजित परसौनी, ढरगावां, बथना और सराय बनवारी सहित विभिन्न स्थानों पर भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा की गई। इस दौरान थाना अध्यक्ष सानू गौरव के नेतृत्व में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मिर्जापुर ईदगाह में पहली जमात की नमाज मौलाना अमजद अली मंजरी ने अदा कराई, जबकि दूसरी जमात की नमाज कारी जर्रार ने पढ़ाई। नमाज के उपरांत सामूहिक दुआ की गई, जिसमें देश-दुनिया में अमन, शांति और भाईचारे की कामना की गई। इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें हाजी गयासुद्दीन अंसारी, हाफिज इरशाद, तहसीन खान, ताजुल हक ताज, टीपू सुल्तान, इमाम हसन कुरैशी, हशमत अली अंसारी, अबुल कलाम आजाद, शाहिद रजा, कलाम खान, शहाबुद्दीन अंसारी, हाजी करीमुल्लाह अंसारी, मास्टर लतीफुर रहमान, हसीबुर्रहमान, अब्दुल रशीद मकरानी, अतीकुर्रहमान, जियाउर रहमान और अशरफ अली सहित अन्य लोग शामिल थे।

राधा-कृष्ण कथा के अंतिम दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्ति में सराबोर हुआ माहौल

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। विराट नगर स्थित श्री जी सत्संग समिति द्वारा सीकरीया फार्मेसी कॉलेज के राधा कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित राधा-कृष्ण कथा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। परम श्रद्धेय जगतगुरु श्री राम कृपालु जी महाराज, प्रेम मंदिर वृन्दावन की शिष्या सुश्री शक्तिश्वरी देवी ने कथा के समापन दिवस पर राधा रानी के स्वरूप और महिमा का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने राधा-कृष्ण के दिव्य प्रसंगों को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डुबो दिया। कथा के दौरान राधे-राधे गोविंद के भजन-कीर्तन पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। शक्तिश्वरी देवी ने अपने प्रवचन में कहा कि कलयुग में राधा नाम का संकीर्तन ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है और जीवन में सुख-शांति लाता है। इस अवसर पर चक्रवर्ती सम्राट धर्म विभूषण आचार्य डॉ. शंभूनाथ सिकरिया ने अपनी लिखित पुस्तकें 'गीता दर्पण' और 'गुरु दर्पण' देवी जी को भेंट स्वरूप प्रदान कीं। कार्यक्रम में उपमेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद, भाजपा युवा नेता यमुना सिकरिया, आनंद केडिया, प्रो. चंद्र भूषण पांडे, प्रो. राम निरंजन पांडे, जदयू नेता दीपक पटेल, श्याम जैन, अनिरुद्ध लोहिया, सोनू अग्रवाल, प्रमोद जैन, शैल जैन, प्रदीप सिंह, सुनील कुमार, विकास कुमार, शशि पटेल, अनिल प्रसाद सहित शहर के कई गणमान्य व्यक्ति एवं बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

लौरिया लूटकांड का खुलासा, दो अपराधी मुंबई से गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया

पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र में 16 दिसंबर 2025 को हुए लूटकांड का पुलिस ने सफलतापूर्वक उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में शामिल दो अपराधियों को तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर मुंबई से गिरफ्तार किया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि 16 दिसंबर की शाम करीब 7:20 बजे लौरिया-साठी मुख्य मार्ग पर ग्राम सिसौरा स्थित भोजमा माई स्थान के समीप अपराधियों ने विकास कुमार मिश्रा को रोककर चाकू से हमला कर घायल कर दिया था और उनका हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन व 20 हजार रुपये लूट लिए थे। इस मामले में लौरिया थाना कांड संख्या-529/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस टीम ने अनुसंधान के दौरान दोनों आरोपियों को गोरेगांव (मुंबई) से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान साठी थाना क्षेत्र के धमोरा गांव निवासी अबुशेर आलम उर्फ अब्दुलेश (26 वर्ष) एवं राजकुमार उर्फ राज (20 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा गया मोबाइल फोन, हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल तथा घटना में प्रयुक्त एक केटीएम बाइक बरामद किया है। दोनों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। लौरिया थाना के सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) सह थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, तकनीकी शाखा प्रभारी पु०अनि इन्द्रजीत पासवान, पु०अनि जयप्रकाश कुमार, पु०अनि प्रिया रंजन, कांस्टेबल कुमार (तकनीकी शाखा, बेतिया), विनय कुमार (तकनीकी शाखा, बेतिया) एवं चालक सिपाही 56 शुमन कुमार शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुगौली में शांति व सौहार्द के साथ मनाई गई ईद, हल्की बारिश में भी उमड़ा उत्साह

बीएनएम@ सुगौली

प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व शनिवार को शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। हल्की रिमझिम बारिश के बावजूद विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में सुबह से ही नमाज अदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बारिश के बीच भी अकीदतमंदों ने पूरी श्रद्धा के साथ नमाज अदा कर सुख-शांति और समृद्धि की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान बच्चों और किशोरों में खासा उत्साह देखने को मिला। त्योहार के मौके पर लोग एक-दूसरे के घर जाकर बधाई देने के साथ-साथ पारंपरिक सेवइयों का आनंद लेते नजर आए, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल बना रहा। वहीं ईद को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहा। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह एवं दारोगा शंभू साह पुलिस बल के साथ ईदगाहों पर मौजूद रहे। साथ ही थाना क्षेत्र में लगातार गश्ती कर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी गई। नगर पंचायत के विभिन्न चौक-चौराहों पर भी पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सका।

भगवान के नाम का सुमिरन ही मोक्ष का मार्गः संत देवव्रत जी महाराज

बीएनएम@ मोतिहारी

गुरुकुल आश्रम में आयोजित 55वें सद्गुरु महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा के तीसरे दिवस वृंदावन धाम से पधारे संत देवव्रत जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भगवान के नाम और कथा की महिमा का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन के लिए दो बातें अत्यंत आवश्यक हैं—भगवान का नाम और भगवान की कथा। कथा जीवन जीने की कला सिखाती है, जबकि भगवान का नाम मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। संत ने देवराहा बाबा का स्मरण करते हुए बताया कि उनका सम्पूर्ण जीवन भगवान के नाम में ही समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि संसार में सभी के नाम केवल पहचान और संबोधन के लिए होते हैं, लेकिन भगवान का नाम हमें भगवान से मिलाने का माध्यम है, इसलिए प्रत्येक मनुष्य को निरंतर नाम-सुमिरन करना चाहिए। उन्होंने रामचरितमानस का उल्लेख करते हुए बताया कि मुक्ति प्राप्ति के लिए संसार के स्वरूप को समझना आवश्यक है। संसार दो प्रकार का होता है—गुणमय और अवगुणयुक्त, और दोनों ही मनुष्य को बंधन में डालते हैं। किसी में गुण देखने पर राग उत्पन्न होता है और दोष देखने पर द्वेष, इसलिए इन दोनों से ऊपर उठकर परमात्मा में ही समस्त संसार को देखना चाहिए। उन्होंने प्रसिद्ध चौपाई "सियाराम मय सब जग जानी" का उल्लेख करते हुए कहा कि जब यह भाव अंतःकरण में जागृत होता है, तभी मोक्ष का मार्ग खुलता है। संत देवव्रत जी महाराज ने भगवान के चार स्वरूप—नाम, रूप, लीला और धाम—में नाम को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि विशेष रूप से श्री राम का नाम अत्यंत प्रभावशाली है। उन्होंने बताया कि राम नाम का स्मरण करते समय तीन स्वरूपों का ध्यान आता है—परशुराम, बलराम और रघुवंशी श्रीराम।कार्यक्रम में श्री राम नाम संकीर्तन के यजमान विजय राय एवं कथा के यजमान गुरु भाई रंजीत कुमार, डॉ. मीनू मिश्रा ने विधिवत पूजन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा, सचिव डॉ. जय गोविंद प्रसाद, दिलीप केसरी एवं विनीता कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कथा का शुभारंभ किया। आश्रम समिति द्वारा संत श्री का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। मंच संचालन सह सचिव राम भजन ने किया। आज रविवार को कथा में दिव्य झांकी के साथ राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में गर्भवती महिलाओं की एचआईवी और हेपेटाइटिस जांच अनिवार्य

हर महीने की 9, 15 और 21 तारीख को लगेंगे विशेष शिविर

बीएनएम@ पटना। बिहार सरकार ने राज्य में मातृ और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रसव पूर्व जांच को सुदृढ़ करने हेतु एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के अनुसार, 'मिशन मोड' में राज्यभर की गर्भवती महिलाओं की एचआईवी, सिफलिस और हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारियों की जांच शुरुआती चरण में ही सुनिश्चित की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य गर्भावस्था की पहली तिमाही में ही संक्रमण की पहचान करना है, ताकि समय रहते उचित उपचार द्वारा मां से बच्चे में होने वाले संक्रमण के खतरे को रोका जा सके।इस मुहिम को प्रभावी बनाने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत हर महीने की 9, 15 और 21 तारीख को विशेष जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। साथ ही, राज्य में 'मिशन एड्स सुरक्षा अभियान' के माध्यम से दिसंबर 2026 तक इन संक्रमणों को पूरी तरह नियंत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों के लेबर रूम और डिलीवरी पॉइंट्स पर 'ड्यूल टेस्ट किट' की उपलब्धता अनिवार्य कर दी है।संक्रमित पाई जाने वाली महिलाओं के लिए एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी और तय गाइडलाइन के अनुसार इलाज की व्यवस्था की गई है। जन्म के बाद जोखिम वाले शिशुओं को तत्काल SNCU में विशेष देखभाल दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य कर्मियों (आशा, एएनएम और चिकित्सकों) के नियमित प्रशिक्षण और दूर-दराज के क्षेत्रों में विशेष शिविरों के माध्यम से सरकार एक स्वस्थ समाज की नींव रखने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

पुलिस के दो जवानों के बीच अवैध संबंध का खुलासा, विभाग में खलबली

» सिपाही पत्नी को गैर मर्द के साथ देख पति ने खोया आपा, थाने तक पहुँचा मामला
» पीआर बॉन्ड पर छूटे दोनों सिपाही, पुलिस की छवि धूमिल करने पर गिर सकती है गाज

बीएनएम@ दरभंगा । दरभंगा और मधेपुरा पुलिस बल में तैनात दो सिपाहियों के बीच कथित अवैध संबंधों के खुलासे से महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना तब उजागर हुई जब दरभंगा पुलिस में कार्यरत एक महिला सिपाही और मधेपुरा पुलिस बल के एक पुरुष सिपाही को महिला के पति ने आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथ पकड़ लिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला सिपाही का पति पिछले काफी समय से दोनों की गतिविधियों पर नजर रख रहा था। शक होने पर उसने योजनाबद्ध तरीके से दोनों को एक कमरे में संदिग्ध स्थिति में पाया और तुरंत बाहर से कुंडी लगा दी। शोर शराबा सुनकर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुँची स्थानीय पुलिस ने दोनों सिपाहियों को हिरासत में लेकर थाने पहुँचाया।प्रारंभिक पूछताछ और सूत्रों के हवाले से यह बात सामने आई है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। हालांकि, कानूनी पेचीदगियों और आपसी सहमति की संभावनाओं को देखते हुए, देर शाम दोनों पुलिसकर्मियों को पीआर बॉन्ड भरवाकर रिहा कर दिया गया।इस घटना ने पुलिस विभाग के अनुशासन और छवि पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट भेज दी गई है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि पुलिस नियमावली और अनुशासनहीनता के आधार पर दोनों के विरुद्ध सख्त विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। फिलहाल, क्षेत्र में यह घटना चर्चा का विषय बनी हुई है।

9.5 लाख उपभोक्ताओं को समय पर मिले एलपीजी, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

लंबित बुकिंग और आपूर्ति की दैनिक समीक्षा शुरू

बीएनएम@ बेतिया। बेतिया जिले में एलपीजी गैस की किल्लत को दूर करने और आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सख्त रुख अपनाए हुए है। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि जिले के 9,57,642 उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए तेल विपणन कंपनियों के आंकड़ों की दैनिक समीक्षा की जा रही है और लंबित बुकिंग को श्रेणियों (0-2 दिन, 2-5 दिन और 5 दिन से अधिक) में बांटकर उनकी निरंतर निगरानी की जा रही है।प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर गैस गोदामों की सघन जांच और छापेमारी की जा रही है। अनुमंडल पदाधिकारियों (एसडीएम) के नेतृत्व में हो रही इस कार्रवाई का सकारात्मक असर दिख रहा है, जिससे उपभोक्ताओं की शिकायतों में तेजी से कमी आई है। गैस एजेंसियों को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता बरतें और किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सुमेरा पंचायत की लाह की चूड़ियों ने मचाई धूम

» मुखिया गुड़िया बनीं महिला उद्यमिता की मिसाल
» पारंपरिक विकास से अलग हटकर मुखिया की नई सोच

बीएनएम@ पटना

बिहार की पंचायती राज व्यवस्था में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं को दिए गए 50 प्रतिशत आरक्षण ने महिला सशक्तीकरण की एक नई गाथा लिखनी शुरू कर दी है। इसी की एक शानदार मिसाल पेश कर रही हैं मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड की सुमेरा पंचायत की मुखिया गुड़िया कुमारी। वर्ष 2021 में पद संभालने के बाद से उन्होंने पारंपरिक विकास कार्यों से आगे बढ़कर महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने का संकल्प लिया है।गुड़िया कुमारी की पहल से घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली महिलाएं अब बड़े बाजारों और उद्यमी मेलों का हिस्सा बन रही हैं। पंचायत की विभा देवी और उनके समूह द्वारा हाथ से निर्मित लाह की चूड़ियां अब शहर के खादी मॉल तक पहुँच चुकी हैं। इस समूह को स्वयं पंचायती राज मंत्री द्वारा उद्यमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। आर्थिक मजबूती का आलम यह है कि पंचायत की कई महिलाएं अपनी बचत से स्कूटी खरीद रही हैं और फैक्ट्रियों में सिलाई ऑपरेटर व मॉल में नौकरी कर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।केवल आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक मोर्चे पर भी मुखिया ने सराहनीय कार्य किए हैं। सुमेरा पंचायत में बाल कल्याण के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्री-स्कूल की सुविधा और महादलित टोलों में शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए विशेष पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। गुड़िया कुमारी की यह 'उन्नत सोच' न केवल मुजफ्फरपुर बल्कि पूरे बिहार के लिए एक रोल मॉडल साबित हो रही है।

केसरिया महोत्सव 2026 का भव्य आगाज, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

बीएनएम@ केसरिया

ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध केसरिया में आयोजित केसरिया महोत्सव 2026 का शनिवार को भव्य उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। महोत्सव का शुभारंभ संयुक्त रूप से पूर्वी चंपारण के सांसद राधा मोहन सिंह, मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार, कल्याणपुर विधायक सचिंद्र प्रसाद सिंह, पिपरा विधायक श्याम बाबू प्रसाद यादव तथा केसरिया विधायक शालिनी मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, एडीएम (पीजीआरओ) शैलेंद्र कुमार भारती एवं अनुमंडल पदाधिकारी चकिया शिवानी शुभम सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी और क्षेत्र

के विकास में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उद्घाटन समारोह के दौरान अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि केसरिया महोत्सव क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे स्थानीय कलाकारों को मंच मिलता है और उनकी प्रतिभा को पहचान मिलती है। साथ ही यह आयोजन क्षेत्रीय पर्यटन को भी बढ़ावा देता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। महोत्सव स्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोकगीत, नृत्य और अन्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। स्थानीय कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से माहौल को उत्साह और उमंग से भर दिया। आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि महोत्सव के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। केसरिया महोत्सव न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाने का भी एक सशक्त प्रयास है।

आमोदेई में श्री श्री 1008 श्री महाविष्णु यज्ञ, भक्तिमय हुआ माहौल

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड के आमोदेई पंचायत स्थित कसवा टोला में श्री हनुमान मंदिर परिसर में श्री श्री 1008 श्री महाविष्णु यज्ञ का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जा रहा है। पूरे क्षेत्र में भक्ति का वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत 19 मार्च 2026 को भव्य जलयात्रा (शोभा यात्रा) के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके बाद 20 मार्च को पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश और वैदिक विधि-विधान के साथ यज्ञ का शुभारंभ किया गया। महायज्ञ के यज्ञाचार्य आचार्य उमेश त्रिपाठी (मंदिर अधीक्षक, बेतिया राज) के सानिध्य में सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। वहीं महंत

श्री मधु शरण पचौरी के मार्गदर्शन में आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा रहा है। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस पुण्य अवसर पर सपरिवार पहुंचकर यज्ञ में भाग लें और धर्म लाभ अर्जित करें। जानकारी के अनुसार, यह महायज्ञ 28 मार्च 2026 तक चलेगा, जिसका समापन भव्य पूर्णाहुति के साथ होगा। इस दौरान प्रतिदिन पूजा-पाठ, हवन, भजन-कीर्तन और प्रवचन जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे पूरा आमोदेई क्षेत्र भक्तिरस में डूबा हुआ नजर आ रहा है।

रामगढ़वा में पुल निर्माण में धांधली, विरोध के बाद घटिया सरिया हटाने का आदेश

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड क्षेत्र में चल रहे पुल निर्माण कार्य में अनियमितता का मामला सामने आया है। ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल रक्सौल द्वारा बिनवलिया से दुबौलिया गांव तक सड़क निर्माण के दौरान बन रही पुलिया में घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शुक्रवार सुबह राजा बाबू, छोटेलाल यादव, संतोष यादव, कमल यादव, आकाश कुमार, बेचू यादव, वीर बहादुर भगत, बिंदेश्वरी यादव समेत दर्जनों ग्रामीण निर्माण स्थल पर पहुंचे और कार्य में गड़बड़ी का आरोप लगाया। ग्रामीणों का कहना था कि पुल निर्माण में निम्न गुणवत्ता की बालू-गिट्टी के साथ लोकल और कमजोर सरिया का उपयोग किया जा रहा है, जो मानकों के विपरीत है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर न तो सूचना पट्ट

लगाया गया है और न ही आवागमन के लिए डायवर्जन की कोई व्यवस्था की गई है, जिससे राहगीरों को परेशानी हो रही है। मामले की जानकारी ग्रामीणों ने कार्यपालक अभियंता को दी। शिकायत के बाद विभाग हरकत में आया और सहायक अभियंता ने तत्काल संज्ञान लेते हुए निर्माण स्थल पर उपयोग हो रहे घटिया सरिया को हटाने का आदेश दिया। साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले सरिया लगाने के निर्देश दिए गए हैं। घटना के बाद ग्रामीण कार्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि जब तक निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं होगा, तब तक वे इसकी निगरानी करते रहेंगे।

रामगढ़वा में अकीदत और शांति के साथ मनाई गई ईद, ईदगाहों में अदा हुई नमाज

बीएनएम@ रामगढ़वा

प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को पूरी अकीदत, शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया। विभिन्न ईदगाहों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सामूहिक रूप से नमाज अदा कर देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। प्रखंड मुख्यालय स्थित मुख्य ईदगाह सहित बेला, अधकपरिया, जुमाई टोला और आमोदेई समेत ग्रामीण इलाकों में सुबह से ही नमाज के लिए अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ पड़ी। रामगढ़वा बाजार स्थित मुख्य ईदगाह में इमाम इस्लाम और मुफ्ती जियाउल हक कासमी ने नमाज अदा कराई, जहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। वहीं पलनावा थाना क्षेत्र के गाद

बहुवरी, पखनहिया, सिसवानिया, खोड़वा सहित अन्य गांवों में भी शांतिपूर्ण माहौल में नमाज अदा की गई। त्योहार को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह के नेतृत्व में पुलिस बल ने संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी। वहीं पलनावा थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में भी विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। इस दौरान एसआई भीम सिंह, एसआई रूपम कुमारी, एसआई अजीत सिंह, एसआई रामेश्वर राम, एसआई मनीष कुमार और एसआई रेनू कुमारी सहित कई पुलिसकर्मी मुस्तैद दिखे। शांतिपूर्ण ढंग से नमाज संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी लोगों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।

बिहार दिवस की पूर्व संध्या पर विद्यालय में उत्सव का माहौल, छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

बीएनएम@ हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत अंतर्गत मचवा चौक स्थित श्री रामेश्वर उत्क्रमित 10+2 विद्यालय में बिहार दिवस की पूर्व संध्या पर शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस दौरान वर्ग 9 एवं 11 के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय परिसर में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने आकर्षक और सृजनात्मक डिजाइनों के माध्यम से बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उकेरा। वहीं लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बिहार के इतिहास, संस्कृति और विकास पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक संतोष कुमार प्रसाद के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान शिक्षक अमर कुमार, रामेश्वर राम, रिंकी कुमारी, अशगर अली, रंजन कुमार, समर्दीप कुमार एवं अमित कुमार तिवारी ने सक्रिय भूमिका निभाई और प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। रंगोली प्रतियोगिता में अमृता कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, बंदनी कुमारी, निकहत, आयसा कुमारी एवं खुशबू कुमारी को उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनित किया गया। वहीं लेखन प्रतियोगिता में अमृता कुमारी, शिवम दास, आकाश कुमार एवं प्रिंस कुमार ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्थान हासिल किया। विद्यालय प्रशासन के अनुसार चयनित छात्र-छात्राओं को प्रखंड एवं जिला स्तरीय बिहार दिवस कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। ऐसे आयोजनों से छात्रों में रचनात्मकता, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और बिहार के प्रति जागरूकता का विकास हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला, जिससे पूरा विद्यालय परिसर उत्सवमय बना रहा।

बगहा में सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई ईद की नमाज

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पवित्र त्योहार हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हुआ। नगर परिषद से लेकर ग्रामीण इलाकों की मस्जिदों और ईदगाहों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा की और देश की खुशहाली व अमन-चैन की दुआ मांगी। इमाम मोहम्मद अबु शाद ने नमाज के बाद एकता और प्रेम का संदेश देते हुए समाज में शांति बनाए रखने पर जोर दिया। 30 दिनों के रोजे के बाद ईद के अवसर पर लोगों में भारी उत्साह देखा गया और नमाज के उपरांत सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी।सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिस अधीक्षक रामानंद कौशल और एसडीएम चांदनी कुमारी के नेतृत्व में पुलिस बल और दंडाधिकारी विभिन्न

क्षेत्रों में भ्रमणशील रहे। रायबारी महुअवा, पतिलार और सिसवा बसंतपुर जैसे ग्रामीण इलाकों में भी कड़ी निगरानी रखी गई। अधिकारियों ने स्वयं मस्जिदों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और लोगों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया।प्रशासन की सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से पूरे अनुमंडल में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए इस त्योहार ने आपसी सद्भाव की एक मिसाल पेश की, जिससे गंगा-जमुनी तहजीब को और मजबूती मिली।

जन शिक्षण संस्थान द्वारा प्रमाण पत्र वितरण, युवाओं में उत्साह

बीएनएम@ पताही

प्रखंड क्षेत्र के पदुमकेर पंचायत अंतर्गत नारायणपुर गांव स्थित भारत सरकार द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान (कौशल भारत–कुशल भारत) के तहत प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के बीच प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान असिस्टेंट प्लंबिंग एवं सैनिटरी वर्क का छह माह का प्रशिक्षण पूरा करने वाले दर्जनों प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन कौशल विकास केंद्र परिसर में किया गया, जहां प्रशिक्षुओं को सम्मानपूर्वक प्रमाण पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। यह केंद्र का पहला ऐसा आयोजन रहा, जिसमें एक साथ बड़ी संख्या में युवाओं को प्रमाणित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी विजय पटेल (डीलर जी) मौजूद

रहे। वहीं जन शिक्षण संस्थान के पदाधिकारी सुजीत कुमार ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि कौशल विकास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि यदि एक भी युवा सही दिशा में आगे बढ़ता है, तो यह प्रयास सार्थक माना जाएगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी विलट झा ने भी युवाओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से रोजगार के नए अवसर खुलते हैं। मुख्य अतिथि विजय पटेल ने अपने संबोधन में पंचायत के विकास और आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए युवाओं से अपील की कि वे अपने कौशल का उपयोग कर क्षेत्र के विकास में योगदान दें। इस अवसर पर सन्नी पटेल, शैलेन्द्र पासवान, रोहित राम, मनीष दास, विशाल पटेल, धर्मदेव राम, जियालाल राउत, नवीनचंद्र पटेल, रामजन्म दास, सचिन पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण पूर्ण होने पर खुशी व्यक्त की और अपने कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया।

प्रस्ताव पारित होने की संभावना नहीं

अविश्वास प्रस्ताव ओम बिरला के खिलाफ के जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा है। वरना, विपक्ष भी अवगत रहा है कि इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है।

संसदीय लोकतंत्र में पीठासीन अधिकारी पर सदन का कोई पक्ष अविश्वास जताए, तो उस पर खेद ही प्रकट किया जा सकता है। लेकिन भारत अभी ऐसे ही अफसोसनाक दौर में है। हाल के वर्षों में विपक्षी दलों में यह शिकायत गहराती चली गई है कि संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों के लिए सत्ताधारी दल की प्राथमिकताएं संसदीय मर्यादा से अधिक अहम हो गई हैं। दोनों सदनों में इल्जाम लगाए जा चुके हैं कि पीठासीन अधिकारी सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के "एजेंट" के रूप में काम कर रहे हैं।

लोकसभा में तो एक मौके पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने खुलेआम कहा था कि प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं से मुलाकात के दौरान स्पीकर ओम बिरला का व्यवहार और हाव-भाव अलग-अलग होता है। तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने इल्जाम लगाया था कि बिरला सत्ता पक्ष के सदस्यों को नेहरू युग की घटनाओं का उल्लेख करने की इजाजत देते हैं, लेकिन विपक्ष के सदस्य अगर नोटबंदी जैसी अपेक्षाकृत हालिया घटनाओं का जिक्र करें, तो उसे कार्यवाही से निकाल देते हैं। ऐसे आरोपों की श्रृंखला बहुत लंबी हो चुकी है। बिरला के खिलाफ के विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को इसी संदर्भ में देखा जाएगा।

इसे जारी एवं गहराती गई शिकायतों को ऑन- रिकॉर्ड लाने की विपक्ष की कोशिश का हिस्सा माना जाएगा। वरना, विपक्षी दल भी वाकिफ रहे हैं कि सदन का गणित उनके पक्ष में नहीं है और इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना नहीं है। प्रस्ताव पर बहस से पहले प्रधानमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री ने बिरला का जोरदार बचाव कर स्पष्ट कर दिया कि सत्ता पक्ष मजबूती से उनके हक में खड़ा है। अतः सत्ता पक्ष में इस पर किसी पुनर्विचार की संभावना तक नहीं है कि आखिर विपक्ष इस हद तक क्यों गया और क्या उसकी शिकायतों को दूर करने के लिए कुछ किया जाना चाहिए? नतीजतन, स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की आपत्तियां संभवतः यथावत बनी रहेंगी, जिनका साया सदन की आगे की कार्यवाहियों पर पड़ता रहेगा। उस स्थिति में संवाद एवं अधिकतम सहमति निर्माण के मंच के बतौर सदन के आगे भी अपेक्षित भूमिका निभाने की उम्मीद कम ही है।

नीला सोना (जल) : संकट, समाधान और संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में, यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित एक वैश्विक पहल है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1993 से हुई थी। दरअसल, इस दिवस का विचार वर्ष 1992 में रियो-डी-जनेरियो में आयोजित पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान सामने आया था। कहना ग़लत नहीं होगा कि जल पंचमहाभूतों-जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी और आकाश में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है, जिसके बिना जीवन की कल्पना असंभव है।शायद इसी कारण से यह कहा गया है-जल ही जीवन है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि सतत विकास(सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के 17 लक्ष्यों (एसडीजी) में भी सभी के लिए स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता की उपलब्धता को वर्ष 2030 तक सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

भारतीय संस्कृति और परंपराएं, प्राचीन सभ्यताओं का विकास तथा धरती पर जल की उपलब्धताः-

भारतीय परंपरा और वेद-शास्त्रों में जल की महत्ता को विशेष रूप से स्वीकार किया गया है। सृष्टि निर्माण में अग्नि के पश्चात जल तत्व का स्थान बताया गया है। रहीम जी का प्रसिद्ध दोहा-रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून... , जल के महत्व को सरल शब्दों में स्पष्ट करता है। संस्कृत में भी कहा गया है-जलस्य रक्षणम् अनिवार्यम्, विना जलं सर्वं नश्येत्। इतिहास साक्षी है कि प्राचीन सभ्यताएँ-सिंधु, नील, दजला और फरात आदि नदियों के किनारे ही विकसित हुईं, जो जल के महत्व को रेखांकित करती हैं। पाठक जानते हैं कि हमारी पृथ्वी(नीले ग्रह) का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है, किंतु इसमें से मात्र 3% ही मीठा जल है, और उसका भी अधिकांश भाग जमे हुए या दुर्गम रूप में उपलब्ध है। यही कारण है कि जल संरक्षण आज अत्यंत आवश्यक हो गया है। विश्व जल दिवस का उद्देश्य स्वच्छ जल और स्वच्छता तक पहुंच सुनिश्चित करना, जल के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इस सीमित संसाधन का संरक्षण करना है। यह दिन जल से जुड़े वैश्विक संकटों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए समर्पित है।

वर्ष 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' :-

वर्ष 2024 में 31वाँ विश्व जल दिवस 'शांति के लिए जल' थीम के साथ मनाया गया, जबकि 2025 का विषय 'ग्लेशियर संरक्षण' रखा गया था। उल्लेखनीय है कि ग्लेशियर पेयजल, कृषि, ऊर्जा और पारिस्थितिकी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 की थीम 'जल और लैंगिक समानता' रखी गई है, जिसका नारा है- जहाँ जल बहता है, वहीं समानता बढ़ती है। वास्तव में, यह थीम इस तथ्य को उजागर करती है कि जल संकट का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है, क्योंकि विश्व में जल लाने की 80% जिम्मेदारी उन्हीं पर होती है। जिन क्षेत्रों में स्वच्छ जल उपलब्ध होता है, वहाँ लड़कियों की शिक्षा दर में लगभग 15% वृद्धि देखी गई है।

आज विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचितः-

'वर्चुअल वॉटर' की अवधारणा जल उपयोग की गंभीरता को दर्शाती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार एक कप कॉफी के उत्पादन में लगभग 140 लीटर पानी खर्च होता है। वहीं पर, एक स्मार्टफोन के निर्माण में लगभग 12,000 लीटर और एक किलो पनीर बनाने में लगभग 5,000 लीटर पानी लगता है। नवीनतम आंकड़ों (2026) के अनुसार, विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी सुरक्षित पेयजल से वंचित है और 3.5 अरब लोग बुनियादी स्वच्छता से दूर हैं। वैश्विक मीठे जल का 70% उपयोग कृषि में होता है, जबकि असुरक्षित जल के कारण हर वर्ष लगभग 14 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

भारत में जल महोत्सव-8 से 22 मार्च तक :-

भारत में 'जल जीवन मिशन' के तहत 8 से 22 मार्च तक 'जल महोत्सव' मनाया जा रहा है, जिसकी टैगलाइन है- गाँव का उत्सव, देश का महोत्सव। साथ ही 'ब्लू पीस', 'स्पंज सिटी', डिजिटल वाटर प्रबंधन और स्मार्ट सेंसर जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण की दिशा में नए प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे सिंचाई में 40% तक जल बचत का लक्ष्य रखा गया है। राजस्थान के पारंपरिक जल संरचनाएँ जैसे कि टांका और खड़ीन भी जल संरक्षण के प्रभावी मॉडल के रूप में पुनर्जीवित की जा रही हैं। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण, अस्थिर कृषि पद्धतियाँ, जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा और अत्यधिक जल दोहन जैसे कारकों ने जल संकट को गंभीर बना दिया है। आज जित देखो तित भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और प्रदूषण के कारण जल की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। झरने, बावड़ियाँ, जोहड़ और टांका जैसे पारंपरिक जल स्रोत उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं, जिनके संरक्षण की तत्काल आवश्यकता है। भारत विश्व की 18% आबादी का पोषण करता है, जबकि उसके पास मात्र 4% जल संसाधन हैं। पिछले 40 वर्षों में वैश्विक जल उपयोग लगभग 1% प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा है। अनुमान है कि 2050 तक जल संकट से प्रभावित शहरी आबादी 1.7 से 2.4 अरब तक पहुँच सकती है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। पाठकों को बताता चलूं कि केंद्रीय भूजल रिपोर्ट (2024) के अनुसार, देश के 440 जिलों में भूजल में नाइट्रेट की मात्रा अधिक पाई गई है, जो 2017 में 359 जिलों में थी। 15,239 नमूनों में से 19.8% में नाइट्रेट सुरक्षित सीमा (45 मिलीग्राम/लीटर) से अधिक पाया गया है। राजस्थान (49%), कर्नाटक (48%) और तमिलनाडु (37%) में यह समस्या अधिक गंभीर है। देश में भूजल निष्कर्षण की दर 60.4% तक पहुँच चुकी है, जो चिंताजनक है। अतः इन परिस्थितियों में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। छोटे-छोटे प्रयास-जैसे नल बंद रखना, वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण-हजारों-लाखों लीटर पानी बचा सकते हैं। आज जल का अंधाधुंध व असीमित दोहन किया जा रहा है,इस क्रम में यहां महात्मा गांधी का कथन भी प्रासंगिक है- प्रकृति सबकी आवश्यकताएँ पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।

अंततः, यह स्पष्ट है कि जल के बिना न तो जीवन संभव है, न ही सतत विकास। यदि समय रहते हम जल संरक्षण के प्रति सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए संकट और गहरा होगा। भारतीय संस्कृति में नदियों को माँ का दर्जा दिया गया है-गंगा, यमुना, नर्मदा, कावेरी-जो जल के प्रति हमारी श्रद्धा को दर्शाता है। इसलिए यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी है कि हम जल को संरक्षित करें,इसे प्रदूषण से बचाएँ और इसके महत्व को समझें, क्योंकि सच यही है-जल है तो कल है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

विकास की अंधी दौड़ में कहीं प्यासी न रह जाएं हमारी आने वाली पीढ़ियां

दिलीप कुमार पाठक

विश्व जल दिवस यह कैलेंडर की कोई साधारण तारीख नहीं है, बल्कि हमारे वजूद की सबसे बुनियादी सच्चाई से रूबरू होने का एक गंभीर अवसर है। सुबह की पहली चाय की महक से लेकर रात को सुकून की नींद से पहले पिए गए पानी के उस आखिरी ठंडे घूँट तक, जल हमारे जीवन के हर कतरे और हमारी हर कोशिका में समाया हुआ है। ज़रा ठहरकर सोचिए, उस जल के बिना हमारा क्या वजूद रह जाएगा? वह जल जो प्यासे कंठ को तृप्ति देता है, तपती धरती की सदियों पुरानी प्यास बुझाता है और एक नन्ही सी कोपल को विशाल वृक्ष बनने का हौसला और पोषण देता है। हम अक्सर इसे महज़ एक संसाधन कह देते हैं, पर सच तो यह है कि यह एक पवित्र रिश्ता है, प्रकृति का हमसे और हमारा उन मासूम पीढ़ियों से, जिन्हें अभी इस दुनिया में कदम रखना है। बचपन की वे यादें आज भी दिल के किसी कोने में ताज़ा हैं, जब बारिश की पहली बूंद सूखी मिट्टी पर गिरती थी और एक सोंधी सी खुशबू पूरे घर के आँगन और रूह को महका देती थी। वह खुशबू दरअसल जीवन के मुस्कुराने की पहली आहट थी, जो हमें बताती थी कि कुदरत अभी हमसे रूठी नहीं है। लेकिन आज जब हम कंक्रीट के गगनचुंबी जंगलों में कैद होकर विकास का जश्न मना रहे हैं, तो यह कड़वी सच्चाई भूल जाते हैं कि हमने तरक्की की इस अंधी दौड़ में उन मासूम घरों को उजाड़ दिया है जहाँ कभी पानी खिलखिलाता था। ऊँची इमारतों की चकाचौंध और चमकते हुए डामर के रास्तों ने धरती की कोख पर ऐसी चादर बिछा दी है कि बादलों के आँसू अब पाताल के कलेजे तक पहुँच ही नहीं पाते।

वह समय अब एक धुंधला याद बनता जा रहा है जब गांव के कुएं, बावड़ियाँ और शहरों के तालाब समाज की सामूहिक पूंजी हुआ करते थे। हमने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए इन प्राकृतिक बसेरों को पाट दिया और ऊपर कंक्रीट के ढांचे खड़े कर दिए। अगर हम अपना सूक्ष्म मूल्यांकन करें, तो पाएंगे कि हम उस अमृत के गुनहगार हैं जिसे हमने प्रदूषण और रसायनों से ज़हरीला बना दिया है। आज हमारी नदियाँ, जो कभी सभ्यताओं की जननी हुआ करती थीं, उद्योगों का कचरा और शहर की गंदगी ढोने वाली बेजान नहरें बनकर रह गई हैं। भू-जल का बेहिसाब दोहन पाताल को खाली कर रहा है और हम बोतलों में बंद पानी खरीदकर खुद को सुरक्षित समझने के भ्रम में जी रहे हैं। यह संकट केवल सूखे हुए हैंडपंपों का नहीं है, बल्कि हमारी मरती हुई मानवीय संवेदनाओं का है। नीति आयोग और दुनिया भर की संस्थाएं बार-बार डे ज़ीरो की भयावह चेतावनी दे रही हैं, पर हम अपने घरों के खुलते नलों और वाशिंग मशीनों के शोर में उन चीखों को अनसुना कर रहे हैं। ज़रा सोचिए, क्या हम वास्तव में अपने बच्चों को विरासत में केवल प्यास और सूखी नदियाँ देना चाहते हैं? तकनीक के इस युग में हमें यह समझना होगा कि दुनिया की कोई भी प्रयोगशाला आज तक पानी की एक बूंद भी पैदा नहीं कर सकी है। यह केवल कुदरत का वह जादुई उपहार है जिसे हम मुफ्त समझकर लुटा रहे हैं।

वह किसान जो फटी आँखों से बादलों की ओर टकटकी लगाए बैठा है, वह मां जो कोसों दूर से मटका सिर पर रखकर पानी लाती है, और वह पंछी जो सूखे ताल पर प्यास से छटपटा रहा है, इन सबकी पुकार अब हमारे कानों तक पहुँचनी ही चाहिए। जल संरक्षण अब कोई सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक नागरिक धर्म होना चाहिए। वर्षा जल संचयन को अब शौकिया नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाना होगा ताकि हम धरती के उस पुनर्भरण की क्षमता को फिर से जीवित कर सकें जिसे हमने छीन लिया है। एक टपकता हुआ नल केवल पानी की बर्बादी नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की चोरी है। हमें अपनी जीवनशैली के उस हर हिस्से को बदलना होगा जहाँ हम पानी को बेशर्मी से बहाते हैं। जल ही वह अंतिम धागा है जिसने पूरी सृष्टि को एक माला में पिरोया हुआ है, और इस धागे को बचाना ही अब हमारा एकमात्र मकसद होना चाहिए। विकास की ऊँची उड़ान भरते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस दिन जल का स्रोत मौन हो जाएगा, उस दिन हमारी तरक्की का सारा संगीत भी हमेशा के लिए थम जाएगा। आइए, आज इस विश्व जल दिवस पर हम दिखावे के संकल्पों से ऊपर उठकर, अपने स्वभाव में पानी का सम्मान करना शुरू करें। यह धरती हमारी नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की अमानत है जिसे हमें सुरक्षित लौटाना है। याद रखिए, प्यास का कोई विकल्प नहीं होता और जब धरती की कोख से नमी पूरी तरह खत्म हो जाएगी, तब हमारे पास पछताने के लिए पानी भी नहीं बचेगा। वक्त तेज़ी से फिसल रहा है, और पानी भी—फैसला हमें करना है कि हम बूंदों को बचाएंगे या उन्हें केवल यादों में छोड़ जाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जल और लिंग : असमानता के बीच जीवन की जंग

योगेश कुमार गोयल

- हर बूंद की पुकारः जल संरक्षण ही समाधान

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। विश्व जल दिवस 2026 की थीम है 'जल और लिंग' (Water and Gender)। यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है, जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है। दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। 'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें। दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं। महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है। पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 1987 में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए 'राष्ट्रीय जल नीति' घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरूपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं। हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते।

मेष राशिः कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। आज का दिन कुछ मिले-जुले प्रभाव वाला रहने वाला है। कुछ समय से चल रही किसी उलझन से आज राहत मिलेगी। आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में कुछ समय बिताना आपको पॉजिटिव बनाएगा।

वृष राशिः आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहले किये गये छोटे-मोटे कार्यों से पॉजीटिव रिजल्ट मिलेगा। आज आप जीवन की वास्तविकता को समझेंगे। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपना मनोबल बनाए रखेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज का दिन पारिवारिक रख रखाव तथा सुधार संबंधी कार्यों में बीतेगा। सभी सदस्य आपस में बैठकर एक दूसरे से अपने विचार साझा करेंगे। किसी विशेष काम के प्रति किए गए प्रयासों के लिए उचित परिणाम मिलने के योग हैं।

कर्क राशिः आज करियर के मामले में खुशखबरी मिलेगी। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं उन्हे पुराने किये गये कार्यों में वाहवाही मिलेगी। सफलतायें छोटी ही सही लेकिन निरंतर बनी रहेंगी। आज अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान बनाकर रखेगा।

सिंह राशिः आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज दोस्तों के साथ फोन पर बात कर के समय बितायेंगे। आज आपके व्यवसाय में स्थिति पहले जैसी ही रहेगी। किसी बाहरी व्यक्ति की वजह से आज आपको अच्छा लाभ होगा।

कन्या राशिः आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में रहेगा। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ेगी। आज कुछ समय एकांत में बिताएंगे। आज आपको निर्णय लेने में किसी अनुभवी व्यक्ति की सहायता मिलेगी। आज कार्यों में आपको परिवारजनों का सहयोग मिलेगा।

तुला राशिः आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। पिता अपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। आज मन मुताबिक काम बनने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के युवाओं को आज रोजगार संबंधी अवसर मिलेंगे। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों में किए गए प्रयासों के आज उचित परिणाम सामने आएंगे। लोग आपकी प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। मां शैलपुत्री को फूल अर्पित करें, घर में शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में सुधार आएगा। काम की प्रगति के कुछ महत्वपूर्ण अवसर मिल सकते हैं। आज सरकारी कार्यों में को पूरा करने में आपको किसी प्रभावशाली इंसान की भी मदद मिलेगी। आज ऑफिस में मन मुताबिक जिम्मेदारियां भी मिलेंगी। आज बच्चे किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मागेंगे, जिससे उनके काम पूरे होंगे। मां शैलपुत्री के आगे हाथ जोड़ें, रूके हुए काम पूरे होंगे।

धनु राशिः आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे, आपकी तारीफ करेंगे। आज अनुभवी लोगों के सानिध्य में रहने का अवसर मिलेगा। कई सकारात्मक पहलुओं की जानकारी भी मिलेगी। आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिये आपका प्रयास सफल होगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम संपन्न होगा। बच्चे आज आपके साथ खेलने की जिद्द करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। मां शैलपुत्री के सामने कपूर जलाए, आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर राशिः आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपकी दैनिक आय पहले से बेहतर होगी। अपने कॉन्टैक्ट मजबूत रखें। किसी भी नए काम को शुरू करने में जल्दबाजी न करें। इस राशि के युवाओं को करियर संबंधी शुभ समाचार मिलने के योग हैं। आज आपको पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन शानदार रहने वाला है। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। आज आपका रिश्तों के प्रति आदर-सम्मान करना आपसी रिश्ते को और अधिक मजबूत करेगा। आज बच्चों के समक्ष आप श्रेष्ठ अभिभावक साबित होंगे। अपने कार्यों से संबंधित नीतियों पर सोच-विचार करने से आप सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे।

मीन राशिः आज का दिन खुशियां लेकर आया है। बिजनेस में बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका विशेष योगदान रहेगा । मित्रों तथा रिश्तेदारों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में निखार आएगा। जीवनसाथी आज आपको प्रसन्न होने की वजह देंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

इरफान पठान की पसंदीदा सीएसके टीम में धोनी को नहीं मिली जगह, सरफराज शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। हैरानी की बात है कि इरफान ने इस टीम में पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किया है। इरफान ने इसमें धोनी की जगह पर सरफराज खान को रखा है। रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है पर जिस प्रकार से उन्होंने टीम में धोनी को जगह नहीं दी है उससे सभी हैरान हैं।सीएसके टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी। इरफान का कहना है कि नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए सरफराज सही विकल्प हैं। साथ ही कहा कि धोनी अगर बल्लेबाजी में कोई बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो ठीक है नहीं तो सरफराज को नंबर-6 पर अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर धोनी कहते हैं कि वो नियमित खेलेंगे तो बात अलग है पर अगर उनका खेलना तय नहीं है तो विकल्प जरुरी है। सवाल उठता है कि क्या वो हर मैच खेलेंगे या नहीं? मैं काफी समय से कह रहा हूं कि उनका केवल दो ओवर के लिए मैदान में आना उनके प्रशंसकों को तो अच्छा लगता है, लेकिन टीम को इसका ज्यादा लाभ नहीं मिलता। अगर धोनी को खेलना है, तो उन्हें चार ओवर खेलने चाहिए, तभी टीम को लाभ होगा। अगर वो नहीं खेलते हैं, तो वह भी ऐसी टीम चाहेंगे जिसमें बल्लेबाजों को पूरा अवसर मिले?'

इरफान पठान की पसंदीदा टीम आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील अहमद (इम्पैक्ट प्लेयर)!

टी20 विश्वकप में शुभमन ने मजाक में कही बात से बढ़ाया था अभिषेक का हौंसला

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के लिए आईसीसी टी20 विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह लगातार तीन मैचों में अपना खाता नहीं खोल पाने की कड़वी यादें भूल नहीं पा रहे थे तभी उनके साथ क्रिकेट शुभमन गिल ने मजाकिया अंदाज में एक ऐसी बात कही थी जिससे अभिषेक का हौंसला तो बढ़ा ही साथ ही उनके अंदर उत्साह भी जाग गया। ये खुलासा बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड्स समारोह में अभिषेक ने किया। इसमें जब शुभमन से पूछा गया कि उन्होंने टूर्नामेंट से पहले अभिषेक को कोई सलाह दी थी तो शुभमन ने हंसते हुए कहा कि नंबर एक टी20 बल्लेबाज को कौन सलाह दे सकता है भला। तभी अभिषेक ने कहा कि जब उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत में लगातार तीन बार शून्य बनाया तो उन्होंने शुभमन को मैसेज किया था कि मुझे कोई बल्ला दे दे, इससे पहले कि कोई और रिकॉर्ड बन जाए। तक शुभमन ने बोला था, तू कर लेगा। हंसी मजाक में कही इस छोटी सी बात से अभिषेक का मनोबल बढ़ गया था। शुभमन ने तब अभिषेक की खराब फॉर्म को कोई समस्या नहीं मानते हुए उन्हें ऐसा खिलाड़ी माना जो स्वयं ही खराब दौर से बाहर आ जाएगा। इसके बाद जब अभिषेक से पूछा गया कि उन्हें किसका बल्ला सबसे ज्यादा पसंद है। तब . उन्होंने कहा कि शुभमन का। इसके बाद जब शुभमन से पूछा किया कि तो उन्होंने कहा कि ये हमेशा मेरा बल्ला मांगकर ही खेलता है। शुभमन और अभिषेक घरेलू क्रिकेट में लंबे समय से एकसाथ खेले हैं। ऐसे में इनमें गहरी दोस्ती भी है। अभिषेक को हालांकि भारतीय टीम में जगह बनाने में काफी समय लग गया

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये : रियान

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार

वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, "इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर ही ध्यान दें।" उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। वैभव के लिए ये सत्र आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि विरोधी टीमों के निशाने पर वह रहेंगे। उनकी कमजोरियों पर इन टीमों के गेंदबाज प्रहार करेंगे। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा, "दूसरा सत्र किसी भी बल्लेबाजी के लिए हमेशा कठिन होता है।

आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी चयन समिति की नजरें

एजेंसी, नई दिल्ली

इस माह के अंत में शुरु होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पर चयन समिति की भी नजरें बनी रहेंगी। चयन समिति अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए इसमें से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों पर नजर रख सकती है। समिति का लक्ष्य कम से कम 20 संभावित खिलाड़ियों की तलाश रहेगी। अगला विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 अक्टूबर नवंबर खेला जाएगा। चयन समिति के सदस्य अपने क्षेत्रों में मैचों के दौरान उपस्थित रहेंगे। लीग के पहले मैच में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर मुंबई में रहते हैं जबकि दास कोलकाता के रहने वाले हैं। आर पी और रात्रा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहते हैं जबकि ओझा अपने हिस्से के आईपीएल मैच बेंगलुरु और हैदराबाद में देखेंगे। एक बोर्ड अधिकारी ने कहा, बीसीसीआई चाहता है कि हर चयनकर्ता कम से कम हर सप्ताह एक मैच देखे जिससे पांच मैच प्रति सप्ताह हो जाऐंगे। इसके अलावा टीवी पर मैच देख सकते हैं। टी20 विश्व कप 2028 और उसी साल ओलंपिक को देखते हुए इस साल आईपीएल में उन 20 खिलाड़ियों को तलाशने पर नजर होगी जो 50 ओवरों का विश्व कप खेलेंगे। चयन समिति इसके अलावा 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए भी सर्वश्रेष्ठ टीम उतरने पर विचार कर रहा है।

बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी से अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों पर नजर रखना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही इस बार अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को आईपीएल में खेल रहे उन खिलाड़ियों पर नजर रखने को कहा है जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए संभावितों में शामिल हैं। इससे साफ है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। ये दोनो ने ही एकदिवसीय विश्वकप खेलने की इच्छा जतायी है। पांच राष्ट्रीय चयनकर्ता इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेंगे। चयनसमिति में एस.एस दास, आर.पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। एकदिवसीय विश्वप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाने वाला है। इसी के लिए चयनकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मैच देखेंगे। अगरकर मुंबई में रहते हैं, दास कोलकाता में जबकि आरआर सिंह और रात्रा एनसीआर में, और ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में आईपीएल मैच देखेंगे। बोर्ड चाहता है कि हर चयनकर्ता सप्ताह में कम से कम एक मैच देखे, वहीं बेच हुए मैच टीवी पर देखे जा सकते हैं। इस दौरान चयनकर्ता किसी नए आईपीएल स्टार को एकदिवसीय कप के लिए नहीं देखेंगे। वे केवल उन विशेष खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में रखे जाने है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी तक फिट नहीं होने के कारण आईपीएल से बाहर हैं ऐसे में बचे हुए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सबकी नजरें रहेंगी।

बिजनेस

अमेरिका ने ईरानी कच्चे तेल की खरीद-बिक्री को लेकर दी 30 दिनों की छूट

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच ट्रंप प्रशासन ने ईरान के तेल की खरीद पर लगे प्रतिबंधों में 30 दिनों की छूट दी है। यह छूट केवल समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के टैंकरों की खरीद के लिए दी गई है, ताकि वैश्विक ऊर्जा सप्लाई बढ़े और कीमतों का दबाव कम किया जा सके। ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच जारी जंग के बाद से ही कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है।

अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इसकी घोषणा की। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के मुताबिक यह अस्थायी छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल के लिए दी गई है। दरअसल, ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की सप्लाई बढ़ाने और दाम को काबू में रखने के लिए ऐसा किया गया है। अमेरिका-इजराइल की ईरान के साथ चल रही जंग की वजह से क्रूड की कीमतें 110 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई है।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को जंग शुरू होने से पहले ये 70 डॉलर के करीब थी। स्कॉट बेसेंट ने जारी एक बयान में कहा कि दुनिया के लिए मौजूदा कच्चे तेल सप्लाई को अस्थायी रूप से खोलकर ग्लोबल मार्केट में लगभग 14 करोड़ बैरल तेल की तेजी से आएगा। इससे दुनियाभर में ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी और सप्लाई पर जो अस्थायी दबाव बना है, उसे कम करने में मदद मिलेगी।

नया आयकर कानून मुकदमों को कम करेगा और अनुपालन को सरल बनाएगाः सीतारमण

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में इनकम टैक्स वेबसाइट 2.0 और 'प्रारंभ 2026' को लॉन्च किया, जिसका मकसद टैक्स को आसान बनाना और मुकदमों को कम करना है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने 'प्रारंभ 2026' के लॉन्चिंग के अवसर पर संबोधन में कहा कि नया आयकर अधिनियम मुकदमों को काफी हद तक कम करने और अनुपालन को सरल बनाने का प्रयास करता है; उन्होंने कर अधिकारियों से आग्रह किया कि वे करदाताओं को विरोधी मानने के बजाय "राष्ट्र निर्माण में भागीदार" के रूप में देखें।

आयकर अधिनियम, 2025 पर राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान" शुरू करते हुए वित्त मंत्री ने इनकम टैक्स वेबसाइट 2.0 को भी लॉन्च किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर अधिकारियों को कहा, 'टैक्स देने वाला आपका विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण

में आपका साझीदार है।' उन्होंने इनकम टैक्स अधिकारियों से ज्यादा सहयोगात्मक सोच अपनाने का आग्रह किया।

सीतारमण ने अपने संबोधन में कहा कि मैं एक नया दृष्टिकोण, एक नई मानसिकता चाहती हूं। मैं आयकर अधिकारियों से आग्रह करती हूं कि वे इस "प्रारंभ" को इस नई मानसिकता को अपनाने के अवसर के रूप में लें। वित्त मंत्री ने शायराना अंदाज में कहा कि "छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी, आओ मिलकर लिखेंगे हम इनकम टैक्स की नइ कहानी।"

वित्त मंत्री ने कहा कि मैं आयकर विभाग को एक संदेश देना चाहती हूं। आप केवल टैक्स वसूलने वाले ही नहीं हैं, आप करदाताओं के साथ सरकार के संबंधों का चेहरा हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि आप टैक्स देने वालों के साथ सरकार के रिश्ते का चेहरा हैं, इसलिए यह नया कानून आपको एक ज्यादा साफ और सुव्यवस्थित ढांचा देता है, ताकि इसे आसान बनाया जा सके—उन लोगों के लिए और भी आसान, जो इसे बेहतर ढंग से समझना चाहते हैं।

सीतारमण ने कहा इसे सहानुभूति, निष्पक्षता और कुशलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हर अधिकारी इस नए कानून की भावना को पूरी तरह से अपनाएगा। टैक्स देने वाला आपका विरोधी नहीं है। टैक्स देने वाला राष्ट्र निर्माण में आपका साझीदार है।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का जिक्र किया जिसमें में उन्होंने एम.ए.एन.ए.वी. के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा विजन है, जिसे उन्होंने मानव-केंद्रित डिजिटल युग बनाने के लिए पेश किया, जो इस प्रकार है। एमः- नैतिक और आचार-संबंधी प्रणालियां, एः- जवाबदेह शासन, एनः- राष्ट्रीय संप्रभुता, एः- सुलभ और समावेशी एआई और वीः- वैध और न्यायसंगत प्रणालियां। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'प्रारंभ 2026' अभियान लॉन्च किया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए 'आयकर अधिनियम 2025' के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल है। यह पहल जटिलता को कम करने, आयकर पोर्टल 2.0 के माध्यम से कर अनुपालन को आसान बनाने, और एमएसएमई को राहत देने के लिए एक बड़ा कर सुधार है।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर रहा उतार-चढ़ाव, हल्की रिकवरी पर हुआ बंद

एजेंसी, मुंबई

20 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में तेजी और मंदी का मिश्रित दृश्य देखा गया। हफ्ते की शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूत उछाल देखने को मिला, लेकिन मध्य सप्ताह में बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू दबावों के चलते बाजार में भारी बिकवाली हुई। अंततः शुक्रवार को बाजार ने मामूली रिकवरी के साथ सप्ताह का समापन किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हुई, जब ब्लू-चिप शेयरों जैसे एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 938.93 अंक बढ़कर 75,502.85 पर और निफ्टी 257.70 अंक बढ़कर 23,408.80 पर बंद हुआ। उसी दिन रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट देखी गई, जो 92.43 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 और निफ्टी 172.35 अंक बढ़कर 23,581.15 पर बंद हुआ।

शुरुआती कारोबार में रुपये में 14 पैसे की गिरावट के बावजूद बाजार की बढ़त जारी रही। बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में मजबूती के चलते बाजार ने पिछले दो सत्रों की बढ़त को बरकरार रखा। बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर और निफ्टी 196.65 अंक बढ़कर 23,777.80 पर बंद हुआ। लेकिन गुरुवार को अचानक भारी बिकवाली देखने को मिली। सेंसेक्स 2,496.89 अंक गिरकर 74,207.24 पर और निफ्टी 775.65 अंक गिरकर 23,002.15 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और फेडरल रिजर्व की कड़ी नीति इस गिरावट के प्रमुख कारण रहे। शुक्रवार को बाजार ने रिकवरी दिखाई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, आईटी और धातु शेयरों में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 पर और निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ। हालांकि रुपये में गिरावट जारी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार सात अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर पर

एजेंसी, नई दिल्ली

आर्थिक मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। लगातार दूसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 13 मार्च को समाप्त हफ्ते में 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि 13 मार्च को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.05 अरब डॉलर घटकर 709.76 अरब डॉलर रहा है। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 11.68 अरब डॉलर घटकर 716.81 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 13 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.68 अरब डॉलर घटकर 555.57 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, इस अवधि में स्वर्ण भंडार का मूल्य 66.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 130.68 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के मुताबिक 13 मार्च को समाप्त हफ्ते के दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.69 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार इस दौरान 1.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.81 अरब डॉलर रह गया।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का उत्पादन फरवरी में घटकर 2.3 फीसदी पर

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी महीने में घटकर 2.3 फीसदी रही, जो तीन महीने का निचला स्तर है। पिछले साल इसी महीने में यह 3.4 फीसदी थी। जनवरी में यह वृद्धि दर 4.7 फीसदी रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी आंकड़े में बताया कि फरवरी में देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों (कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट, बिजली) का संयुक्त उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में 2.3 फीसदी बढ़ा है। मंत्रालय के मुताबिक फरवरी में सीमेंट, इस्पात, उर्वरक, कोयला और

बिजली के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है।

इस दौरान कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई। आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि अप्रैल से फरवरी के दौरान 2.9 फीसदी रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.4 फीसदी रही थी। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के ये आंकड़े भारत की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के प्रमुख संकेतक हैं, जो देश की कुल औद्योगिक वृद्धि दर में 40 फीसदी से अधिक का योगदान देते हैं।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता : स्नेहलता वसईकर

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो वशीकरणम में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। वशीकरणम मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।स्नेहलता ने आगे कहा, थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है। स्नेहलता वसईकर मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई क्षेत्रीय फिल्मों और शो में काम किया है और अपने अभिनय की वजह से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। उनके लिए वशीकरणम शो टीवी में डेब्यू प्रोजेक्ट है।

अक्षय कुमार की 'बॉस' ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड

मुंबई (ईएमएस)। अपने करियर में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने कई हिट फिल्मों के साथ कुछ फ्लॉप फिल्मों का भी सामना किया है। अक्षय की एक फिल्म ऐसी रही जिसने बॉक्स ऑफिस पर भले ही निराश किया, मगर एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। यह फिल्म है 'बॉस', जिसने रिलीज के समय खास कमाई नहीं की, लेकिन अपने प्रमोशन के चलते इतिहास रच दिया। फिल्म 'बॉस' में अक्षय कुमार के साथ मिथुन चक्रवर्ती, शिव पंडित, रोनित रॉय और असिन जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। हालांकि फिल्म को दर्शकों से उम्मीद के मुताबिक प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन इसके लिए बनाया गया एक विशाल पोस्टर चर्चा का केंद्र बन गया। दरअसल, अक्षय कुमार के फैन क्लब द्वारा इस फिल्म के प्रमोशन के लिए एक खास पोस्टर तैयार किया गया था। इस पोस्टर को बनाने में करीब चार महीने का समय लगा। जब यह तैयार हुआ, तो इसका आकार इतना बड़ा था कि इसने दुनिया के सबसे बड़े पोस्टर का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि को गिनीज वर्ल्ड रिकार्डस में भी दर्ज किया गया। इससे पहले यह रिकॉर्ड यूनाइटेड किंगडम के लिटल ग्रांसडेन एयरफील्ड में बने एक पोस्टर के नाम था, जिसे मैक्रो आट्र्स कंपनी ने तैयार किया था।

यही कंपनी पॉप स्टार माइकल जेक्सन का विशाल पोस्टर बनाने के लिए भी जानी जाती है। लेकिन 'बॉस' के पोस्टर ने इस रिकॉर्ड को करीब 15 से 20 प्रतिशत के अंतर से पीछे छोड़ दिया। अगर इस पोस्टर के आकार की बात करें तो यह लगभग 58.87 मीटर चौड़ा और 54.94 मीटर लंबा था। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम ने मौके पर पहुंचकर इसका मापन किया और आधिकारिक तौर पर इसे दुनिया का सबसे बड़ा पोस्टर घोषित किया। यह उपलब्धि फिल्म के फ्लॉप होने के बावजूद उसे एक अलग पहचान दिलाने में सफल रही। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। वह जल्द ही भूत बंगला में दिखाई देंगे, जो एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।

मैं अपनी शर्तो पर जीती हूं सिंगल रहना मेरी पसंद : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही पूरी होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।उन्होंने आगे कहा, मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

'दम मारो दम' गाने को झेलना पडा था भारी विरोध

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो वशीकरणम में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। वशीकरणम मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।स्नेहलता ने आगे कहा, थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है। स्नेहलता वसईकर मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई क्षेत्रीय फिल्मों और शो में काम किया है और अपने अभिनय की वजह से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। उनके लिए वशीकरणम शो टीवी में डेब्यू प्रोजेक्ट है।

फिल्म

रहमान डकैत की मौत पर अभिनेता रजत को हो रही थी रोने में दिक्कत

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म धुरंधर 2 के निर्देशन की एक ओर जहां सराहना हो रही है, तो वहीं फिल्म के इमोशनल सीन्स ने भी दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है। फिल्म के कलाकार रजत अरोड़ा और विक्रम भाम्बरी ने हाल ही में अक्षय खन्ना के डेथ सीन को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा की हैं। कलाकार रजत अरोड़ा ने बताया कि इस भावनात्मक सीन को शूट करना उनके लिए आसान नहीं था। उन्होंने निर्देशक आदित्य धर से पूछा था कि क्या वे अपने कॉन्टैक्ट लेंस हटा सकते हैं, क्योंकि इससे उन्हें रोने में दिक्कत हो रही थी। इस पर आदित्य धर ने उन्हें सीन की गहराई समझाते हुए कहा कि रहमान डकैत का किरदार उनके लिए पिता समान है, इसलिए उन्हें वही भावना लानी होगी जैसे अपने पिता के निधन पर होती है। रजत के मुताबिक, इस एक ब्रीफ ने पूरे सीन की दिशा बदल दी और सभी कलाकार उसी भाव में डूबकर अभिनय करने लगे। उन्होंने आगे बताया कि निर्देशक ने पूरी टीम से कहा था कि हर कलाकार को ऐसा महसूस करना है जैसे किसी बेहद करीबी का निधन हुआ हो। यही वजह रही कि सीन में नैचुरल इमोशन दिखा और दर्शकों को भी यह बेहद वास्तविक लगा। रजत ने यह भी कहा कि उनके सह-कलाकार दानिश इमोशनल सीन के बाद भी लंबे समय तक उसी जोन में रहते थे, जिससे उन्हें भी अपने अभिनय में गहराई लाने की प्रेरणा मिली।वहीं विक्रम भाम्बरी ने खुलासा किया कि इस सीन के लिए कलाकारों को सुबह ही स्क्रिप्ट दी जाती थी, जिससे वे मानसिक रूप से तैयार हो सकें। उन्होंने बताया कि इस सीन में ओवरएक्टिंग से बचना सबसे बड़ी चुनौती थी। टीम ने यह तय किया कि भावनाओं को संतुलित तरीके से पेश किया जाएगा, जिससे सीन ज्यादा प्रभावी लगे। खास बात यह रही कि इस इमोशनल सीन के लिए ग्लिसरीन का इस्तेमाल भी नहीं किया गया। फिल्म में रणवीर सिंह, आर माधवन, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

दिव्यांका और विवेक के घर आने वाला है नया मेहमान

मुंबई (ईएमएस)। शादी के करीब दस साल बाद बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया अब अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे है। सोशल मीडिया पर दिव्यांका ने एक खास पोस्ट साझा कर अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी, जिसके बाद फैंस और इंडस्ट्री के सितारों की ओर से बधाइयों का तांता लग गया है। हाल ही में कपल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में दिव्यांका अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं, जबकि विवेक हर पल उनके साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। तस्वीरों में दोनों के चेहरे पर माता-पिता बनने की खुशी साफ झलक रही है। एक तस्वीर में विवेक दिव्यांका के बेबी बंप पर हाथ रखकर दिल का साइन बनाते दिखते हैं, तो दूसरी में दोनों एक-दूसरे को गले लगाकर मुस्कुराते नजर आते हैं। वहीं एक तस्वीर में कपल छोटे बेबी शूज के जरिए आने वाले नन्हे मेहमान का संकेत देता दिखाई देता है। इन तस्वीरों में दोनों ने व्हाइट कलर की ट्विनिंग आउटफिट पहनी है, जो उनकी खुशी को और भी खास बना रही है। फैंस इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर भी कर रहे हैं। पोस्ट के साथ कपल ने एक इमोशनल कैप्शन भी लिखा। उन्होंने कहा कि "10 साल बाद हमारी कहानी में एक नया मोड़ आया है। कुछ सफर जल्दी पूरे नहीं होते, बल्कि उन्हें साथ मिलकर जीना और समझना होता है। जब आपको लगता है कि कहानी पूरी हो गई है, तब जिंदगी उसमें सबसे खूबसूरत अध्याय जोड़ देती है।" उन्होंने आगे लिखा कि वे इस पल को पूरी तरह महसूस कर रहे हैं और उनके दिल कृतज्ञता से भरे हुए हैं। दिव्यांका और विवेक की यह खबर उनके फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है।

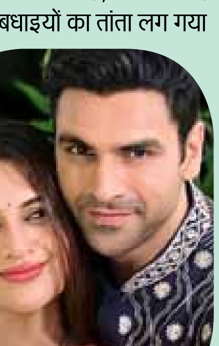

गर्मियों के दौरान गर्भवती महिलाएं अपनाएं ये 5 आसान और प्रभावी टिप्स

गर्भावस्था एक अहम और संवेदनशील समय होता है, जिसमें महिलाओं को खास देखभाल और सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। गर्मियों में बढ़ता तापमान और उमस गर्भवती महिलाओं के लिए कई चुनौतियां पैदा कर सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में सुरक्षित और स्वस्थ रह सकती हैं। इन उपायों को अपनाकर आप न केवल अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख पाएंगी, बल्कि अपने होने वाले बच्चे का भी ख्याल रख पाएंगी।

पर्याप्त पानी पिएं : गर्मियों में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। पानी आपके शरीर को तरोताजा रखता है और पानी की कमी से बचाता है। कोशिश करें कि दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा आप नींबू पानी, नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी ले सकती हैं। इससे आपका शरीर पानी से भरपूर रहेगा और आपको थकान या चक्कर आने जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

हल्के कपड़े पहनें : गर्भावस्था के दौरान हल्के कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। सूती या लिनन जैसे हल्के कपड़े पहनें, जो आपकी त्वचा को हवा लगने देंगे और आपको ठंडक पहुंचाएंगे। तंग कपड़े पहनने से बचें क्योंकि वे आपके शरीर पर दबाव डाल सकते हैं और असुविधाजनक हो सकते हैं। ढीले-ढाले कुर्ते और सलवार या सूती साड़ी पहनें, जो न केवल आरामदायक हों बल्कि स्टाइलिश भी दिखें।

समय-समय पर आराम करें : गर्भावस्था में शरीर पर अतिरिक्त भार होता है, इसलिए समय-समय पर आराम करना बहुत जरूरी है। काम करते समय थोड़ी-थोड़ी देर बाद बैठकर आराम करें या लेट जाएं। इससे आपकी थकान कम होगी और आप तरोताजा महसूस करेंगी, खासकर अगर आप गर्मियों में कोई भी भारी काम कर रही हों तो बीच-बीच में आराम करना न भूलें। इससे आपका शरीर ऊर्जा से भरा रहेगा और आप अधिक सक्रिय महसूस करेंगी।

पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें : गर्भावस्था के दौरान सही पोषण लेना बहुत जरूरी है। अपने खाने में फल, सब्जियां, दालें और दूध से बने उत्पाद शामिल करें ताकि आपके शरीर को सभी जरूरी विटामिन और मिनरल्स मिल सकें। ताजे फलों का रस या स्मूदी पीएं, जो आपके शरीर को ठंडक देंगे और आपको ऊर्जा प्रदान करेंगे। इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियां, मूंगफली और बादाम जैसे नट्स भी आपके खाने में शामिल करें, जो आपके लिए फायदेमंद होंगे।

बाहर जाने से पहले मौसम देखें : अगर आपको बाहर जाना जरूरी हो तो पहले मौसम की जानकारी ले लें ताकि आपको अत्यधिक गर्मी या बारिश जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। सुबह या शाम के समय ही बाहर निकलें जब तापमान कम हो। इस तरह आप न केवल सुरक्षित रहेंगी बल्कि अपने दिनचर्या को भी आसानी से पूरा कर पाएंगी। इन सरल लेकिन प्रभावी उपायों को अपनाकर आप गर्मियों में गर्भावस्था का आनंद ले सकती हैं।

SOL students 'excluded' from Delhi University job mela, protest 'discrimination'

New Delhi, Agency: Students of Delhi University's School of Open Learning (SOL) on Friday held a protest outside the venue of a job mela, organised by DU, alleging discriminatory treatment after an internal circular categorically barred them from participating in it.

Later, SOL principal, Ajay Jaiswal, and the dean of students' welfare, Ranjan Tripathi, met the protesters and allowed them to participate in the programme, the students said. Media reached out to the officials, but there was no response from them.

"The administration assured that SOL students would not be barred from such programmes in the future," Krantikari Yuva Sangathan (KYS), under whose banner the protest was held, said in a statement. The job mela is held annually on the campus for DU students. However, SOL students said they were denied entry, even as DU alumni were allowed to participate.

Several students gathered outside the gate, raising slogans and carrying placards that read "Stop discrimination against SOL students" and "Equal rights for all DU students".

SOL is a branch of Delhi University that provides a flexible and affordable alternative to regular colleges, catering largely to working students.

Calling the move "educational apartheid", students said this was not an isolated instance, alleging that SOL students are also barred from participating in DU events, including college fests and other campus activities. Citing an earlier instance, the students' organisation pointed to a 2019 logo design competition by the Women's Studies Development Centre from which SOL students were excluded.

Students also flagged a range of issues, alleging systemic neglect. "From being made to sit for exams in under-construction basements and tents, to abrupt changes in exam schedules and long queues for study material, SOL students have been at the receiving end of DU's open apathy and discrimination," KYS said in a statement.

They added that such exclusion disproportionately affects SOL students, many of whom come from economically weaker backgrounds and depend on such platforms for job opportunities.

SOL also conducts separate job fairs, which students alleged are "substandard" and offer limited opportunities. In Jan, Media reported that only one student in 1 secured a job through such drives, with placements largely in BPOs and lower-profile roles.

At that time, SOL director Payal Mago said the campus was in talks with DU to integrate its placement process with the university's central placement system.

Delhi CM holds pre-budget meeting with transgender community

New Delhi, Agency: Delhi Chief Minister Rekha Gupta on Friday interacted with members of the transgender community and sought their suggestions for the upcoming annual budget to be tabled in the assembly next week.

In an X post, Gupta said she held a meaningful dialogue with members of the third gender community at the Delhi Secretariat. They welcomed the Delhi government's decision to issue them Pink smart cards for free bus rides, she said.

"They also shared suggestions and expectations. These suggestions will be incorporated into the upcoming budget, moving towards building an inclusive and developed Delhi," she said.

The chief minister has been holding a series of meetings with various sections of the society, including working women, gig workers, labourers, farmers, teachers, students, medical professionals and others ahead of the budget presentation on March 24.

NDMC waives road restoration charges to speed PNG rollout

New Delhi, Agency: Amid an ongoing LPG supply crunch, the New Delhi Municipal Council (NDMC) has announced a waiver of road restoration charges for the laying of pipelines by Indraprastha Gas Limited (IGL) to provide Piped Natural Gas (PNG) connections across its jurisdiction for a period of three months. The council has also directed that permissions for road cutting related to IGL's pipeline work be granted within 24 hours of receiving a complete application. Officials have been instructed to ensure the immediate commencement of work to eliminate procedural delays and improve inter-departmental coordination.

"In the larger public interest, NDMC has issued this circular to facilitate the speedy expansion of PNG connections by IGL. The decision aims to ensure expeditious execution of pipeline works so that residents and establishments can receive PNG connections without unnecessary delay," the council said in a circular issued on Friday. Officials said the move is expected to promote the use of cleaner and more convenient fuel while accelerating infrastructure development.

IGL has been directed to prioritise the work by deploying adequate manpower and resources, and to ensure that all excavated stretches are properly filled in and secured promptly to avoid inconvenience to the public. NDMC's road divisions have also been instructed to restore affected road stretches within a fixed timeframe.

"All concerned officials have been directed to ensure strict compliance with these instructions," officials said.

Shooter with gang link arrested from Punjab over extortion bid, firing

New Delhi, Agency: Delhi Police special cell has busted an extortion racket and arrested a 26-year-old shooter who used latitude and longitude coordinates to target a Jagatpuri resident last year. The accused, Jaswinder Singh alias Jassi, is a key operative of the Punjab-based Gurjant Janta gang and was evading arrest for nearly a year after a firing incident in east Delhi's Jagatpuri.

The investigation revealed a sophisticated criminal conspiracy orchestrated from abroad. In March 2025, a Jagatpuri resident received international extortion threats demanding Rs 4 crore. When the target refused to pay, the gang's handler, identified as Gaurav, allegedly provided Jassi with the geographic coordinates of the target's house. Jassi, a resident of Ambala, traveled to the capital via public transport, stole a motorcycle for the hit, and arrived at the house using the Google coordinates. He fired two rounds at the target's gate before fleeing to Punjab.

The cell tracked Jassi's movements through a complex web of CCTV footage and technical intelligence. After the shooting, the accused sought refuge in the guest house of a religious place in Amritsar for eight months to escape the police dragnet. "Acting on a tip-off, a team tracked him to a hideout in Punjab's Kharar where he was apprehended during a surprise raid on March 16," said DCP Narra Chaitanya.

According to police, Jassi's descent into crime began in 2022 following local quarrels in Ambala, which led him to seek the protection of the Janta gang.

The interrogation has revealed a trend where street-level criminals are being guided through digital mapping by international handlers. The accused remains in custody as police continue to probe the wider network and the source of the illegal weapons used in the attack.

L&DO seals news agency's office hours after HC rejects its plea against eviction

New Delhi, Agency: News agency UNI's office in central Delhi was sealed hours after Delhi High Court on Friday dismissed its plea against an eviction order issued by the land and development office (L&DO), which is under the Union ministry of housing and urban affairs (MoHUA).

In its 98-page order, the court noted that for 45 years the news agency failed to fulfil the only condition under which land at No. 9, Rafi Marg, New Delhi, was allotted to it. "Indeed, the facts of the present case reveal a situation where valuable public land has effectively been held hostage by a licensee who has failed to perform its obligations for decades," Justice Sachin Datta said. "Such conduct strikes at the very foundation of the allotment framework governing public land. The cancellation of the allotment was, therefore, fully justified and legally inevitable," the judge said.

In court, UNI blamed govt agencies for delay in granting it permission to construct an office, and claimed it asked co-owner, Press Council of India, to construct it, but it didn't do so. It also told the court that after undergoing the corporate insolvency resolution process, the successful resolution plan by The Statesman Ltd was accepted by NCLT.

The court also took a dim view of the delay by the land-owning agency in taking action. "The L&DO/Ministry of Urban Development is also directed to ensure that conditional allotments of public land are enforced with due diligence, promptitude, and institutional rigour, so that any breach or non-adherence to the conditions of the licence does not remain unattended to for inordinately long periods," it said.

"Public authorities entrusted with the management of valuable public assets must remain vigilant to ensure that such land is utilised strictly in accordance with the purpose for which it is allotted and that deviations are addressed in a timely manner," the court added.The bench said it "simply cannot countenance a situation where prime public land continues to be occupied for decades together, without fulfilment of the conditions of licence."The court said that since 1979, the sole condition was that UNI construct an office complex on the land, but that was never done. "What is, however, indisputably clear is that, despite the passage of several decades, there has been a complete and abject failure to achieve the very purpose underlying the allotment/licence: that the petitioner was required to construct, at its own cost and expense, a multi-storied office complex over the land in question," the court said.

"The petitioner was expressly obligated to use the land solely for the purpose of constructing the office complex to accommodate its own office and the offices of various news media organisations," it added.

A senior Delhi Police officer said that a team was sent to provide security to the agency as it carried out the order. UNI, however, claimed on social media that its staff was forcibly evicted, female journalists were manhandled by police and some police personnel were intoxicated. Police denied all the claims. |

The ministry's land and development office has barred anyone from entering the office without its permission.

Kitchen shift by night, crime shift by day

5-star hotel chef arrested for burglary in Delhi; used master key to open locks

New Delhi, Agency: vTwenty-two-year-old Nilesh lived a double life - working as a South Indian food chef at a five-star hotel in Dwarka by night, pouring and swirling batter, and plotting burglaries during the day.

On Feb 15, he clocked in as usual at the hotel. The workload was less that night, so he snuck out during early morning hours. His target had been carefully chosen-a house in Ambedkar Basti in southwest Delhi's RK Puram Sector 1 whose occupants he knew to be out of town. Using a specially designed master key to open the Chinese locks, Nilesh crept in, unnoticed by neighbours, stealing Rs 3.5 lakh in cash and valuables, including gold and silver jewellery. The theft came to light after the family returned on Feb 18 from a wedding in Rajasthan to find their home ransacked. There was no sign of a forced entry. The owner of the house approached police and lodged a complaint, based on which a case was registered.

"Footage from a CCTV camera in the area showed a man lingering at the gate, briefly struggling before unlocking it, entering, and exiting after 30 minutes with stolen valuables," said DCP (southwest) Amit Goel.

A team was formed to identify and trace the suspect, who was seen fleeing on a scooter, his face covered with a shawl. Police tracked his route till Ring Road, which led them to the five-star hotel in Dwarka, and to Nilesh. When questioned, he initially told cops that he was busy with night shifts at the hotel, where he had been working for the past three years.

Later, however, police confronted him with proof of his recent financial transactions and technical surveillance, including CCTV camera footage where he was seen wearing the same shawl at the hotel that had been reported stolen from the house.

Nilesh was finally arrested on Wednesday. "The burglary took place between 2am and 3am. Nilesh knew the younger brother of the complainant, so he was aware that the family was leaving for a wedding on Feb 14 and there would be no one home that time," said a police officer.

NDMC waives road restoration charges

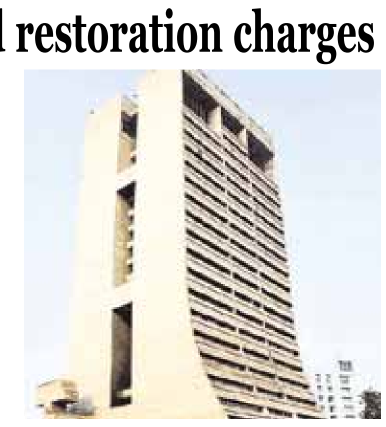

New Delhi, Agency: The New Delhi Municipal Council has waived road restoration charges for laying pipelines for Piped Natural Gas (PNG) connections within its jurisdiction for a period of three months, in a move aimed at accelerating access to cleaner fuel. The decision, announced through a circular on Friday, is intended to facilitate faster execution of pipeline works by Indraprastha Gas Limited and ensure that residents and commercial establishments get PNG connections without delays.

According to NDMC officials, the waiver has been introduced in view of the prevailing circumstances and in larger public interest, with a focus on promoting cleaner and more convenient fuel options across the Capital. To further streamline the process, the NDMC has directed that permissions for road cutting required for pipeline laying be granted within 24 hours of receiving complete applications. The authorities have also instructed that work should commence immediately after approvals to avoid procedural delays. The IGL has been asked to prioritise the work by deploying adequate manpower and resources, while ensuring that excavated stretches are promptly backfilled and secured to minimise inconvenience to the public.

The civic body also directed its road divisions to restore affected stretches on a priority within a fixed timeframe to reduce traffic disruption.

Security ring & ID checks: Nervy Eid for Uttam Nagar after youth lynching; residents vow to stay put amid uneasy silence

New Delhi, Agency: The narrow lanes of Hastsal village, usually vibrant with the overlapping buzz of Navratri hymns and Eid preparations, are shrouded in uneasy silence this time.

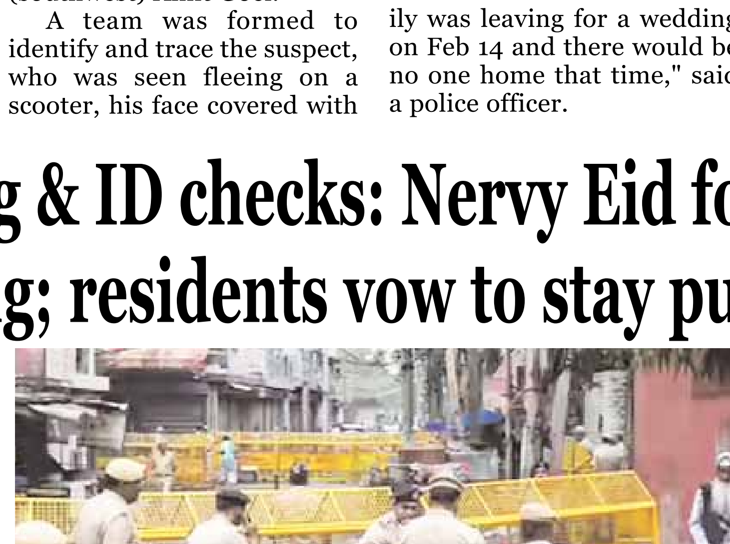

Following the lynching of 26-year-old Tarun Butolia during Holi - it happened after his son accidentally splashed water on a woman from another community - the neighbourhood in southwest Delhi's Uttam Nagar has turned into a high-security zone, with Delhi Police and CRPF personnel stationed at the entry and exit of nearly every lane leading to his house in A Block.

The security ring extends to B and C Blocks as well. Barricades have been put up, and entry and exit are strictly regulated, even in narrow lanes barely wide enough to accommodate the barricades.

On Friday, Media saw cops checking identity cards and verifying the addresses of anyone trying to enter the area. Only residents of the village were allowed, while others were turned away. Vehicle movement was also restricted, adding to further inconvenience, villagers said. Authorities have installed several CCTV cameras - around eight to 10 - in just the lane in which Tarun used to live and more in adjoining stretches. Surveillance extends even to outer roads of the village.

A senior police officer told Media that four to five companies of paramilitary forces and around 450 Delhi Police personnel have been deployed to prevent any untoward incident. A request has also been sent for mounted cops. The contrast with the previous years is stark. Locals said Navratri would typically see tents pitched across lanes, women hosting day-long keertan, and children gathering to play manjira and small dhols. With Eid festivities also beginning, the neighbourhood would usually be bustling.

This year, however, the streets of Hastsal are largely deserted. A resident said, "How can we celebrate when they are checking everyone's IDs and not allowing even our relatives to enter the area?" Despite the heavy deployment - it includes two busloads of CRPF personnel stationed near the local eidgah, close to the crime spot - locals insist that the communal fabric remains intact.